श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 20 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
23 जुलाई 2025 बुधवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

धनखड़ का इस्तीफा : महाभियोग प्रस्ताव और कॉलेजियम सिस्टम

संसद के चलते सत्र के दौरान उपराष्ट्रपति के ओहदे से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा कई सवाल अपने पीछे छोड़ गया है। जो कांग्रेस उन पर भाजपा के राजनीतिक एजेंट की तरह काम करने जैसे आरोपों के साथ उनके खिलाफ महाभियोग लेकर आई थी वही कांग्रेस अब उनके इस्तीफे को लेकर भाजपा को घेर रही है। जबकि नरेंद्र मोदी और कानून मंत्री किरन रिजूजी के एक्स पर ट्वीट के सिवाए अधिकांश भाजपाई दिग्गज नेता चुप्पी साधे हैं।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

सवाल यही है कि क्या धनखड़ ने भाजपा द्वारा हाईकोर्ट के विवादित जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के मंसूबे को विफल करके सरकार से नाराजगी मोल ली? भाजपा लोकसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाती उसके पहले ही राज्यसभा के 63 सांसदों के प्रस्ताव को न सिर्फ मंजूरी दे डाली बल्कि उसकी उच्च सदन में घोषणा भी कर डाली। इससे भाजपा सहित एनडीए के सारे घटक दलों के नेता चौंक गए। हालांकि धनखड़ ने कानून मंत्री किरन रिजूजी को इसकी सूचना दे दी। इस वाकये के कुछ देर बाद ही आयोजित राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में रिजूजी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा नहीं गए। इसके कारण भले ही कुछ भी गिनाए गए हों लेकिन कांग्रेस के आरोपों में दम है कि भाजपा के लोकसभा में महाभियोग लाने से पहले राज्यसभा में धनकड़ का विपक्षी सांसदों के प्रस्ताव ने भाजपा की योजना पर पानी फेर दिया।

गौरतलब है कि 14 मार्च को जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में लगी आग के दौरान मिले जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद मचे बवाल के बाद तत्कालीन सुप्रीम कोर्ट जस्टिस ने हाईकोर्ट ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ 25 मार्च को कई राज्यों के हाईकोर्ट जस्टिस की कमेटी आंतरिक जांच के लिए बिठाई थी। 4 मई को इसकी रिपोर्ट भी मिल गई। जानकारों की माने तो रपट में वर्मा के खिलाफ गंभीर कदाचरण के आरोपों की पुष्टि की गई। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसके बावजूद लंबे समय तक चुप्पी साधे रखी। इसके बाद केंद्र सरकार ने उनके खिलाफ लोकसभा में महाभियोग लाने का फैसला किया था। इसके पहले भाजपा की एनडीए सरकार ने कांग्रेस सहित विपक्ष के कई नेताओं को इस मामले में साथ देने का आश्वासन प्राप्त कर लिया था। लेकिन भाजपा की योजना पर विपक्ष और धनखड़ ने पानी फेर दिया।

आम लोगों से लेकर न्यायिक सेवा से चुने गए कई जिला जज भी दबी जुबान में ऑफ द रिकार्ड जस्टिस वर्मा पर कार्रवाई में हीलाहवाली से नाखुश हैं। उनका मानना है कि जिला अदालतों के किसी भी न्यायाधीश के खिलाफ कोई शिकायत हाईकोर्ट की विजिलेंस सेल(सतर्कता प्रकोष्ठ) को मिलती है

तो उनका पक्ष सुने बगैर उन्हें निलंबन करने या उसका पक्ष सुने बगैर ही सीधे बर्खास्त कर दिया जाता है। लेकिन ऊपरी अदालतों के न्यायाधीशों को इस रक्षा कवच का क्या अर्थ है?

बहरहाल यह सब बाते तो पीछे छूट चुकी हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि अब संसद में आए महाभियोग का क्या होगा? संविधान के प्रावधानों के मुताबिक वर्मा को हटाने के लिए पहले तो लोकसभा के 543 और राज्यसभा के 245 सांसदों के दो तिहाई बहुमत से पारित कराना होगा। इसके बाद मसला दो सुप्रीम कोर्ट जज और एक विशिष्ट ज्यूडिशरी का व्यक्ति की तीन सदस्यीय समिति के पास जाएगा। वैसे तो उसको तीन महीने मिलता है लेकिन संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक जिस सत्र में महाभियोग पारित होता है उसी के दौरान उसे लागू करना अनिवार्य है। संविधान की धारा 217 के अनुच्छेद 214(4) के तहत विपक्ष द्वारा लाए महाभियोग प्रस्ताव को तभी मंजूरी एनडीए सरकार के समर्थन के बगैर मुमकिन नहीं। अगर यह पारित हुआ तो देश के इतिहास में किसी जस्टिस को महाभियोग के जरिए हटाने का पहला मामला होगा। इसके पहले भी कई जस्टिस के खिलाफ महाभियोग लाए गए लेकिन उन्होने इसके पारित होने के पहले ही इस्तीफा दे दिया। बहरहाल गेंद अब एनडीए के पाले में है। सवाल यह भी है कि कहीं सुप्रीम कोर्ट इस फैसले के खिलाफ भी वही रवैया तो नहीं अपनाएगी जो उसने कोलोजियम सिस्टम और एफआईआर के मामले में संसद में कोई कानून पारित होने के बगैर ही लागू कर रखा है?

क्या धनखड़ सुप्रीम कोर्ट के रवैये से पहले से नाराज थे?

पिछले दिनों धनखड़ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे के विवाह समारोह में भोपाल आए थे तो कुछ देर भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में भी गए थे और वहां प्रशिक्षु जजेस के साथ खुलकर बात की थी। मीडिया को तो नहीं बुलाया गया था, लेकिन अंदरखाने से छनकर कुछ बातें जरूर सामने आईं। धनकड़ ने सुप्रीम कोर्ट के रवैये को लेकर जो टिप्पणी की थी उससे जज चौंक पड़े थे। धनकड़ ने कहा था कि **कोलोजियम सिस्टम की आड़ में जस्टिस के चयन के बारे में सरकार के प्रतिनिधि से परहेज करती है लेकिन वही सुप्रीम अदालत चाहती है कि सीबीआई के निदेशक से लेकर केंद्र के चीफ विजिलेंस कमीशन से लेकर निर्वाचन आयुक्त के चयन में अपनी भागीदारी के लिए दवाब बनाती है।** पेशे से वकील धनखड़ पहले भी सुप्रीम कोर्ट के कोलोजियम सिस्टम के खिलाफ संसद में पारित 99 वे संशोधन बिल को देश की सर्वोच्च अदालत द्वारा अलोकतांत्रिक बताने को लेकर नाखुशी जाहिर कर चुके थे। याद रहे कि कोलोजियम सिस्टम के खिलाफ 2012 में डा. मनमोहन सिंह सरकार के दौरान राष्ट्रीय विधि आयोग ने इसे संसद में पारित किए बगैर इस सिस्टम को 1988 में लागू करने के फैसले को गलत बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे इसलिए नहीं माना क्योंकि विधि आयोग का गठन भी कांग्रेस सरकार के दौरान कैबिनेट के फैसले तहत गठित किया गया। यानि विधि आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं था। मोदी ने पीएम बनने के बाद सिफारिश को लागू करने में आ रही अड़चन को दूर करने 2015 में संसद में लाए गए संशोधन विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कराकर विधि आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। लेकिन संसद में पारित किसी कानून के बिना कोलोजियम सिस्टम को अपने स्तर पर लागू करने वाले सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक ठहरा दिया। यही नहीं 1991 में यह प्रावधान भी संसद की मंजूरी के बगैर लागू कर दिया कि सुप्रीम या हाईकोर्ट के जस्टिस के खिलाफ एफआईआर सुप्रीम कोर्ट जस्टिस की अनुमति के पहले लागू नहीं की जा सकती। इसी व्यवस्था ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ कोई कार्रवाई करने से केंद्र सरकार के हाथ बांध रखे हैं।

मप्र में दो सिस्टम एक्टिव चार दिन भारी बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में एक बार फिर बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने लगा है। आज सुबह उज्जैन में तेज बारिश हुई। इटारसी के बाजारों में पानी भर गया। वहां बिजली सब स्टेशन भी पानी में डूब गया। सिवनी मालवा के ग्रामीण इलाकों में खेत और रास्ते डूबे रहे। मौसम विभाग ने जबलपुर, श्योपुर, मुरैना, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सागर, दमोह, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी, अनूपपुर में अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिरने का अलर्ट जारी किया है।

भागवत ने पाठ्यक्रम में बदलाव का समर्थन किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाठ्यक्रमों में बदलाव की बात का समर्थन किया है और कहा है कि भारत को सही रूप में समझने और प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। भागवत ने कहा- आज जो इतिहास पढ़ाया जाता है, वह पश्चिमी दृष्टिकोण से लिखा गया है। उनके विचारों में भारत का कोई अस्तित्व नहीं है। विश्व मानचित्र पर भारत दिखता है, लेकिन उनकी सोच में नहीं। उनकी किताबों में चीन और जापान मिलेंगे, भारत नहीं। उन्होंने कहा, पहले विश्व युद्ध के बाद शांति की बातें की गईं, किताबें लिखी गईं और राष्ट्र संघ बना, लेकिन दूसरा विश्व युद्ध हुआ।

राजा हत्याकांड: शादी से पहले जाहिर सूचना दें युवा

इंदौर। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या की असली वजह को लेकर अभी भी तस्वीर साफ नहीं है वहीं राजा को खोने के बाद उनके भाई विपिन रघुवंशी ने युवाओं से एक अपील की है कि वे शादी से पहले वे जाहिर सूचना जरूर प्रकाशित कराएं दें, ताकि उनके भाई जैसी घटना किसी और के साथ न हो। उधर मामले में आरोपी प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स को जमानत मिल गई है। बताया जाता है कि राजा का परिवार अब हाईकोर्ट जाकर उसकी जमानत रद्द करवाने की कोशिश करेगा। इसके लिए विपिन शिलॉन्ग पहुंच गए हैं।

बिहार विस में बाप पर बवाल, भारी हंगामा हुआ

पटना। बिहार विधानसभा में आज बाप शब्द पर जमकर बवाल हो गया। यहां तक कि स्पीकर नंद किशोर यादव भी नाराज हो गए और विपक्षियों और सत्तापक्ष पर भड़क कर चले गए। दरअसल, वाकया तक हुआ जब सीएम नीतीश कुमार व नेता विपक्ष तेजस्वी यादव के बीच सदन में बहस चल रही थी, दोनों एक-दूसरे पर सवाल उठा रहे थे। इस बीच, भाई वीरेंद्र ने टिप्पणी कर दी और हंगामा होने लगा। स्पीकर ने आरजेडी विधायक भाई बीरेंद्र को फटकार भी लगा दी। वीरेंद्र ने सीट पर बैठे-बैठे किसी के लिए बाप शब्द का इस्तेमाल किया तो स्पीकर ने खेद प्रकट करने के लिए कहा।

तीसरे दिन भी मानसून सत्र की कार्रवाई बाधित

वोटर वैरिफिकेशन पर संसद पर प्रदर्शन, सदन में हंगामा

नई दिल्ली एजेंसी

संसद के मानसून सत्र के तीसरे दिन आज राज्य बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे को लेकर विपक्ष हमलावर है। सदन में विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में चले आए तथा उन्होंने काले कपड़े लहराए। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें शांत रहने की अपील की और नारेबाजी से मना करते हुए कहा- आप सड़क का व्यवहार संसद में न करें। देश के नागरिक आपको देख रहे हैं।

हालांकि लोकसभा की कार्यवाही लगभग 10 मिनट तक ही चली, फिर दोपहर बारह तक स्थगित कर दी गई। बिहार में मतदाता सूचियों के स्पेशल इंटेसिव रिविजन मुद्दे पर संसद के मकर द्वार पर भी विपक्ष ने आज प्रदर्शन किया। लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। उनके साथ प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव भी नजर आए। राहुल, अखिलेश ने गले में काली पट्टी डालकर विरोध में हिस्सा लिया। आप सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में बिहार मामले के 'संवैधानिक और चुनावी निहितार्थों' पर चर्चा के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस पर आज चर्चा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि कल भी मानसून सत्र के दूसरे दिन बिहार में वोटर्स लिस्ट की जांच, स्पेशल इंटेसिव रिविजन को लेकर विपक्षी सांसद ने दोनों सदनों के अंदर और बाहर विरोध किया था। सांसदों ने पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर पीएम के जवाब और सदन में चर्चा की भी मांग की।

ट्रंप ने 25वीं बार कहा- मैंने युध्द रुकवाया

उधर आज कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजे बयान के बाद फिर पीएम मोदी पर निशाना साधा है। ट्रंप ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध की नौबत आ गई थी लेकिन उन्होंने बीचबचाव किया और युद्ध रुकवाया। उन्होंने कहा कि उस समय दोनों देशों के बीच संघर्ष गंभीर हो गया था, 5 फाइटर जेट्स गिराए जा चुके थे। किसी भी वक्त परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हो सकता था। इस पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट किया कि 'एक ओर मोदी सरकार संसद में पहलगाम आतंकी हमले एवं ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर चर्चा की निश्चित तारीखें देने से इनकार कर रही है और प्रधानमंत्री के जवाब देने को लेकर भी कोई आश्वासन नहीं दे रही है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रंप इस मुद्दे पर अपने दावों की सिल्वर जुबली तक पहुंच चुके हैं।''

भोपाल में रोजगार आधारित शिक्षा पर मंथन

मप्र के विश्वविद्यालयों में अब वेटेरनरी की पढ़ाई होगी : सीएम

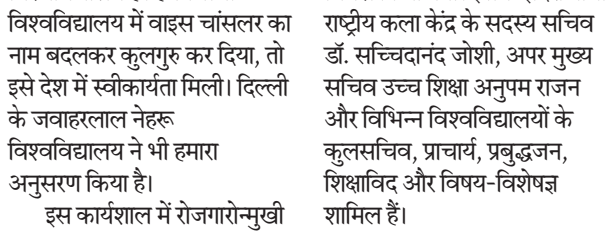

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज यहां कहा कि मप्र दूध उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है। अब हम इसमें पहले स्थान पर आने के लिए प्रयासरत हैं। हमारे पास 6 करोड़ से अधिक पशुधन है। इसके लिए हमें ज्यादा वेटरनरी विशेषज्ञों की जरूरत है। यह जरूरत सिर्फ एक कॉलेज से पूरी नहीं हो सकती है। इसलिए, प्रदेश के सभी कॉलेजों में वेटरनरी से जुड़ी शिक्षा शुरू की जाएगी। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में ''विकसित भारत@2047 अंतर्गत रोजगार आधारित शिक्षाः रुझान एवं नए अवसर' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में राज्यपाल मंगुभाई पटेल की मौजूदगी में सीएम ने कहा कि मप्र में 70 से ज्यादा विश्वविद्यालय हैं। हमने सभी विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर का नाम बदलकर कुलगुरु कर दिया, तो इसे देश में स्वीकार्यता मिली। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी हमारा अनुसरण किया है।

इस कार्यशाल में रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर फोकस है। क्योंकि बदलती दुनिया में शिक्षा सिर्फ डिग्री पाने का साधन नहीं, बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता की कुंजी बन गई है। इसी सोच के साथ शुरू हुई कार्यशाला में शैक्षणिक संस्थानों में रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं को नए अवसरों के लिए तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया जाएगा। इससे पहले मुख्य वक्ता डॉ. एसी पांडे निदेशक, आईयूएसी दिल्ली ने तकनीकी बदलावों और नवाचारों से पैदा हो रहे रोजगार के नए आयामों पर विस्तृत विचार साझा किए। कार्यशाला में इंजीनियरिंग, जीवन विज्ञान, कौशल विकास और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित कर भविष्य के अवसरों पर गहन विमर्श किया गया। इसमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन और विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलसचिव, प्राचार्य, प्रबुद्धजन, शिक्षाविद और विषय-विशेषज्ञ शामिल हैं।

मेट्रो एंकर सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई ने भाजपा के प्रवक्ता रहे उपाध्याय की याचिका पर की टिप्पणी

आप तो हमेशा ही आगे रहते हैं, अखबार पढ़ा और केस फाइल...

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की वाकपटुता अदालत के अंदर और बाहर काफी मशहूर हैं। इसीलिए कल जैसे ही उनकी अदालत में 1995 के वक्फ अधिनियम के कई प्रावधानों को चुनौती देने वाली एक याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका आई तो वह याचिकाकर्ता वकील पर ही भड़क उठे। हालांकि, सीजेआई ने बेहद सधे शब्दों में याचिकाकर्ता वकील से कुछ ऐसा कहा कि उन्होंने अपनी अर्जी ही वापस ले ली।

दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ अधिवक्ता और भाजपा के पूर्व प्रवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने यह याचिका दायर की थी। जैसे ही उनके मामले की सुनवाई सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने शुरू हुई तो वकील अश्विनी उपाध्याय ने कहा, इस मामले में, मैं पहला व्यक्ति था..., मेरी याचिका से ही यह बात सामने आई कि वक्फ ने ऐसी जमीन कैसे हड़पी।

कोर्ट में अनुशासन व जिम्मेदारी का संदेश

मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि सुप्रीम कोर्ट अब बेवजह दाखिल की जा रही जनहित याचिकाओं के प्रति सख्त रवैया अपना रहा है। घटनाक्रम इस बात की ओर इशारा है कि अब अदालतें उन याचिकाओं को गंभीरता से लेंगी जो कानूनी रूप से पुख्ता और तथ्यात्मक रूप से सही हों। पीठ ने कहा कि इस प्रकार की याचिकाएं अदालत का समय बर्बाद करती हैं और वास्तविक जनहित याचिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसी लापरवाही न्यायिक प्रक्रिया की गंभीरता को कम करती है।

इस पर मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने अपने परिचित लहजे में कहा, आप तो हमेशा पहले होते हैं और हमेशा दोषपूर्ण याचिका के साथ, क्या संसद ने आपकी याचिका पढ़ने के बाद ही कानून बनाया था? आप चाहें तो इस मामले में हस्तक्षेप याचिका दायर कर सकते हैं। हमेशा अखबार पढ़ते रहते हैं और याचिकाएँ दायर करते रहते हैं।

इसके बाद पीठ ने कहा, आपकी याचिका स्वीकार करने का हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश की तरफ से नकारात्मक टिप्पणी मिलने के बाद उपाध्याय ने कहा, ...तो मैं हाईकोर्ट में इंतजार कर सकता हूँ। इस पर जस्टिस गवई ने फिर कहा, आप हस्तक्षेप याचिका दायर कर सकते हैं। मैंने तो आपको बताया ही है। यह नहीं। याचिका खारिज। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने 2021 में जब वक्फ एक्ट को चुनौती दी थी, तो सुप्रीम कोर्ट ने उनसे यह पूछा था कि उनकी कितनी जमीन पर कब्जा किया गया है। तब उन्होंने आरोप लगाया था कि अदालत में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है क्योंकि जब इमरान प्रतापगढ़ी और ओवैसी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, तो कोर्ट ने उनसे यह नहीं पूछा कि उनके पूर्वजों ने कितनी जमीन वक्फ की है। उनका कहना था कि उन्हें बार-बार यह कहा गया कि वे हाईकोर्ट जाएं, जबकि ओवैसी, बुखारी और मदनी से सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल नहीं किया।

भोपाल में बारिश तो बहुत हुई,लेकिन तालाब-बांध अब तक प्यासे

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में लगातार बारिश के बावजूद भी कहीं कुछ कमी रह गई है। दरअसल, लोगों की निगाहें यहां के बांधों और तालाबों के छलकने पर है। शहर में अब तक 15.8 इंच बारिश हो चुकी है, जो अब तक की औसत बारिश यानि 13 इंच के आंकडे से ज्यादा है। बावजूद अब तक डैम या तालाब नहीं छलके हैं। बड़ा तालाब 6.6 फीट तथा कलियासोत डैम को पूरा भरने में साढ़े 10 फीट पानी की जरूरत है। कोलार और केरवा डैम भी नहीं छलके है। अलबत्ता बारिश ने इनकी रंगत को निखार दिया है और छुट्टी के दिन लोग इसके नजारे देखने के लिए उमड़ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल जुलाई में ही कोलार, भदभदा और कलियासोत डैम ओवरफ्लो हो गए थे। वहीं, बड़ा तालाब भी लबालब भर गया था। मौसम विभाग के अनुसार, इस बार भोपाल में बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी कम रही है। इस वजह से तालाब और डैम में ज्यादा पानी नहीं बढ़ा, लेकिन अगले सप्ताह से फिर से जब बारिश का दौर शुरू होगा तो अगस्त के पहले सप्ताह

तक अच्छा पानी इनमें आ सकता है। वहीं समीपस्थ सीहोर में भी तेज बारिश की दरकार महसूस हो रही है। क्योंकि तेज बारिश होने से कोलांस नदी उफान पर आएगी, जिससे बड़ा तालाब में पानी और बढ़ेगा। भोपाल के बड़े तालाब का सबसे बडा स्त्रोत कोलांस ही है।

अभी जलस्रोतों में पानी की कितनी दरकार

बड़ा तालाब : इसकी जलभराव क्षमता 1666.80 फीट है। अभी इसमें 1660.20 फीट पानी है। पिछली बार बड़ा तालाब जुलाई में ही भर गया था, लेकिन इस बार अभी भी खाली है। बड़ा तालाब पूरा भरने के बाद भदभदा डैम के गेट खुलते हैं। इस बार कैचमेंट एरिया में कम बारिश हुई है। जिससे कोलांस नदी लबालब होकर नहीं बही।

कोलार डैम : इसका वॉटर लेवल 1516.40 फीट है। अभी इसमें 1490.74 फीट पानी जमा है। इस हिसाब से यह काफी खाली है। कोलार डैम से ही भोपाल शहर के 40फीसद हिस्से में पानी की सप्लाई की जाती है।

केरवा डैम : कुल 1673 फीट वाले केरवा डैम में अब तक 1653.08 फीट पानी आ चुका है। बारिश नहीं होने से आवक फिलहाल थमी हुई है।

कलियासोत डैम : डैम का वॉटर लेवल 1648.62 फीट है। इसकी कुल जलभराव क्षमता 1659 फीट है। इसके चलते डैम अभी भी साढ़े 10 फीट खाली है। बड़ा तालाब के गेट खुलने पर कलियासोत डैम में पानी आएगा और गेट खुल जाएंगे।

सीएम ने अभियान में लिया हिस्सा

मानव संग्रहालय में समिट के बाद 'समृद्धि' के लिए 4 हजार नए पौधे

भोपाल दोपहर मेट्रो

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में पांच हजार पौधे रोपने का अभियान चल रहा है। गत दिवस सीएम मोहन यादव की मौजूदगी में 4 हजार पौधे रोपे गए। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक अशोक पांडे, सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, विधायक भगवानदास सबनानी, मेयर मालती राय और भोजपाल मित्र संस्था के कार्यकर्ता मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि कुछ ही महीने पहले मानव संग्रहालय में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट हुई थी, उस वक्त यहां काफी बड़े पैमाने पर अस्थाई निर्माण आदि किये गये थे। इसीलिये सीएम ने कहा कि ये संग्रहालय का पूरा इलाका आज से 4 महीने पहले ही प्रधानमंत्री ने अपनी उपस्थिति से हमारे जनजीवन के साथ मप्र को समृद्ध बनाने का संकल्प कराया। एक तरफ हम आर्थिक समृद्धि की तरफ जाना चाह रहे हैं। दूसरे तरफ वन संपदा में भी समृद्धि आना चाहिए। अब 5100 पौधे लगाने का संकल्प है। यादव ने कहा कि हम सब जानते हैं कि इस पृथ्वी का जीवन वृक्ष और बाकी जनजीवन से जुड़ा हुआ है। कार्बन डाइऑक्साइड, ऑक्सीजन का परस्पर एक दूसरे पर अवलंबन ये हमारे लिए जीवन प्रदान करता है। खासकर मप्र तो और भाग्यशाली है। पूरे देश के बाकी राज्यों की तुलना में यदि सर्वाधिक वन संपदा कहीं हैं तो मप्र में हैं। बावजूद यदि कहीं प्रकृति के साथ हमसे कोई गलती होती है तो पौधारोपण करना चाहिये।

---

26 करोड़ से हुआ तैयार, सेवाभारती करेगी संचालन, 1 अगस्त से शुरुआत

अब बुजुर्गों के लिए लग्जरी ओल्ड एज होम सितारा होटलों जैसी सुविधाएं और शुल्क

भोपाल दोपहर मेट्रो

सीनियर सिटीजन यानि बुजुर्गों के लिये भोपाल में अपनी तरह का पहला पेड लग्जरी ओल्ड एज होम यानी वृद्धाश्रम आगामी 1 अगस्त से शुरू हो जाएगा। यह मप्र में भी अपनी तरह का पहला प्रयोग होगा। इसके निर्माण पर करीब 26 करोड़ रुपए की लागत आई है और इस वृद्धाश्रम को सीनियर सिटीजन की हर जरूरत को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है। बुजुर्गों को यहां सिर्फ कुछ कपड़े और जरूरत की दवा के साथ पहुंचना होगा, बाकी रहने, खाने-पीने के साथ चौबीसों घंटे मेडिकल की सुविधाएं मिलेंगी।

राजधानी में लिंक रोड-3 पर पत्रकार कॉलोनी स्थित वृद्धाश्रम की सुविधाएं किसी स्टार होटल जैसी है और इन सुविधाओं के लिए हर व्यक्ति को हर महीने लगभग 50 हजार रुपए तक चुकाने पडेंगे। यदि यहां बुजुर्ग कपल रहना चाहते हैं तो 82 हजार रुपए लगेंगे। वृद्धाश्रम की व्यवस्था और रखरखाव का पूरा जिम्मा सरकार ने सेवा भारती को सौंपा है जिसने इसे संध्या छाया नाम दिया है।

जानकारी के मुताबिक इसमें

ऐसे बुजुर्ग जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा है और वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं, वे यहां रह सकेंगे। यहां पहुंचने पर बुजुर्गों का रजिस्ट्रेशन होगा और उनका मेडिकल चेकअप भी पहले किया जाएगा।

यदि बुजुर्ग की कोई मेडिकल हिस्ट्री है तो उसे यहां मौजूद मेडिकल स्टाफ को अवगत कराना होगा। आश्रम में 12 सिंगल और 22 डबल बेड रूम बने है। हालांकि दोनों किस्म के कमरों में सभी में लग्जरी सुविधाएं समान ही हैं। दोनों ही कमरों में सिटिंग एरिया हैं जहां सुंदर और आरामदायक फर्नीचर रखा गया है। कमरे में हर पलंग के साथ एक स्टडी टेबल भी मिलेगी। बुजुर्गों की आवश्यकता और सुविधा को ध्यान में रख कर बनाया गया अटैच्ड बाथरूम भी है। बाथरूम और कमरे में इमरजेंसी बेल लगाई गई है ताकि जरूरत पर स्टाफ को बुलाया जा सके। हर कमरे में एयरकंडीशनर, फ्रिज, माइक्रोवेव, ड्राई किचन, वार्डरोब और बालकनी है।

मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी

इस आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के चेकअप के लिए एक डॉक्टर हफ्ते में एक बार विजिट करेंगे। आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में तीन नर्स हमेशा बुजुर्गों की देखभाल के लिए मौजूद रहेंगी। इसके अलावा फिजियोथेरेपिस्ट, योग थेरेपिस्ट, डाइटिशियन, काउंसलर भी होंगे। रूटीन चेकअप के लिए कोई अलग शुल्क नहीं लगेगा। इमरजेंसी और रेगुलर केयर दोनों तरह की मेडिकल सुविधा आश्रम में होगी। लेकिन अस्पताल दाखिले की स्थिति में खर्च खुद बुजुर्ग या परिजनों को वहन करना होगा।

बताया जाता है कि यहां रहने के लिये बुजुर्गों के पास दो विकल्प होंगे। यदि सिंगल रूम में कोई रहना चाहता है तो उसे 49 हजार 500 रुपए प्रति महीना किराया देना होगा। डबल रूम में पति-पत्नी, दो पुरुष बुजुर्ग या दो महिला बुजुर्ग एक साथ रह सकते हैं। डबल रूम का किराया 82 हजार रुपए प्रति महीना है। यानी 41 हजार रुपए प्रति व्यक्ति पड़ेगा। लेकिन रजिस्ट्रेशन के वक्त एक लाख रुपए सिक्योरिटी अमाउंट भी जमा करना होगा। ये पैसा आश्रम छोड़ने के बाद वापस मिल जाएगा। बुजुर्ग को यहां रहने के लिये न्यूनतम एक महीना और अधिकतम रहने की कोई सीमा नहीं तय की गई है। जो एनआरआई हैं, यदि वे भारत आते हैं तो यहां कुछ महीने के लिए ठहर सकते हैं। यदि उनके परिजन शहर में नहीं है तो उनके लौटने तक आश्रम की सेवाएं ले सकते हैं। परिजन भी मिलने आ सकते हैं लेकिन रात नहीं रुक सकेंगे। इसके अलावा बुजुर्ग दिन में कहीं बाहर जाना चाहें तो भी जा सकेंगे।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और हरियाली को बढ़ावा देना ही उद्देश्य

एक पेड़ मां के नाम स्टूडेंट्स और टीचर्स ने लगाए पौधे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से ज्वाला कॉन्वेंट स्कूल ने दशहरा मैदान स्थित बॉयज हाई सेकेंडरी स्कूल में पौधारोपण किया। हरियाली महोत्सव के अंतर्गत छात्र-छात्राओं और शिक्षिकाओं ने पौधे रोपे। एक पेड़ मां के नाम की थीम पर पौधे रोपित किए।

ज्वाला कॉन्वेंट स्कूल के प्राचार्य राज बतरा ने बताया कि इस कार्यक्रम में बॉयज हाई सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य नीलम वसानिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। वसानिया ने स्वच्छ पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण की अनिवार्यता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष ही

हमारे जीवन का आधार हैं और हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए अपना योगदान देना चाहिए। अभियान में सुभद्रा सीटोके, टीपी मारण सर, सुमन मोरे, श्री सके राय, महेंद्र कुमार गोस्वामी, जन शिक्षक विजय राठौड़, और सविता खातरकर सहित अन्य शिक्षकगण शामिल थे।

जनसुनवाई में पहुंचा मामला

मंदाकिनी दानिश रोड का कार्य तुरंत प्रारम्भ कराने की मांग

भोपाल दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता राहुल सिंह राठौड़ ने कलेक्कर जनसुनवाई में रहवासियों के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मंदाकिनी चौराहे से दानिश चैराहे तक की 80 फिट सड़क का कार्य तुरंत प्रारंभ कराने और राजधानी परियोजना संभाग क्र. 1 के अधिकारियों द्वारा देरी कर रहे ठेकेदार को लाभ पहुंचाने की शिकायत कर कार्यवाही की मांग की। राठौड़ ने कहा कि कोलार के वार्ड 82 में मंदाकिनी चैराहे से लेकर जेके हॉस्पिटल होते हुए दानिश कुंज चैराहे तक की 80 फीट सड़क का टेंडर 3 माह से ज्यादा समय पूर्व हो चुका है मगर आज तक इस सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। जबकि प्रमुख अभियंता.लोक निर्माण विभाग एवं मुख्य अभियंता को ज्ञापन देकर इस सडक के निर्माण कार्य को आम जनता के हित में एक हफ्ते में प्रारंभ कराने का निवेदन किया था। मगर सडक पर गढढे तक नहीं भरवाए गए। आम जनता को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा

है एवं दुर्घटनाओं की भी संभावना भी बन रही है। अगर इस सड़क का कार्य जल्द प्रारंभ नहीं हुआ तो विधानसभा सत्र के समय लोक निर्माण मंत्री ओर अधिकारियों के विरोध में सड़कों पर कांग्रेस पार्टी प्रदर्शन कोलार में करेगी।

मैट्रो एंकर साईं मनीष लाल का संतनगर में स्वागत, झूलेलाल मंदिरों में प्रवचन

'श्री अमरकथा' हर व्यक्ति को अवश्य पढ़ना चाहिए : साईंजी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

ठकुर साई मनीष लाल साहब मंगलवार को संतनगर आए। श्रद्धालुओं और सिंधी समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों ने साईंजी का स्वागत किया।

संतनगर पूज्य सिंधी पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत आसवानी ने बताया कि साईं मनीष लाल साहब देशभर में चल रहे भगवान झूलेलाल चालीहा व्रत महोत्सव के अंतर्गत भोपाल प्रवास पर हैं। इस दौरान वे भोपाल के विभिन्न झूलेलाल मंदिरों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं।

विशेष बहिराणा साहिब का आयोजन

आज संत नगर के मेन रोड स्थित श्री झूलेलाल चालिया वारो मंदिर में पूज्य बहिराणा साहिब का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने 'अखा' (आहूति) डालकर साईं जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम में भोपाल की विभिन्न पूज्य सिंधी पंचायतों, जैसे हबीबगंज पूज्य सिंधी पंचायत, शक्ति नगर पूज्य सिंधी पंचायत और बावड़ियाकलां पूज्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

'श्री अमर कथा' पढ़ने का आह्वान

इस अवसर पर साईं जी ने कहा कि, भगवान श्री झूलेलाल जी का ग्रंथ श्री अमर कथा हर व्यक्ति को अवश्य पढ़ना चाहिए। यह ग्रंथ हर घर में होना चाहिए, क्योंकि इसके पठन से मनुष्य जीवन का उद्धार संभव है। श्री अमर कथा के दर्शन मात्र से व्यक्ति के कष्टों का निवारण हो जाता है तथा घर में सुख-शांति का वास होता है।

हनुमानगंज में दुकान में आग, लाखों के ड्राई फ्रूट्स जलकर राख, डेढ़ घंटे में काबू पाया

भोपाल। भोपाल के हनुमानगंज स्थित एक ड्राई फ्रूट्स की दुकान में देर रात भीषण आग लग गई। करीब डेढ़ घंटे में आग काबू में आ सकी। आग से लाखों के ड्राई फ्रूट्स जलकर राख हो गए। जानकारी के अनुसार, शहर के

व्यस्ततम एवं पुराने मार्केट हनुमानगंज गल्ला बाजार में ड्राई फ्रूट्स किराना व्यापारी अमित बत्रा की दुकान में मंगलवार-बुधवार की रात आग लगी थी। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू ने बताया कि वे हनुमानगंज मार्केट में ही रहते हैं। रात में एक दुकान में कुछ जलने की बदबू एवं धुआं निकलते देखा। यह दुकान शंकर बत्रा एवं अमित बत्रा की थी। जहां भीषण आग लगी थी। फायर ब्रिगेड के साथ पुलिसकर्मी भी पहुंचे। इसके बाद फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया। करीब डेढ़ घंटे में आग बुझ सकी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को एक थियेटर में मंत्रिपरिषद के साथियों और अभिनेता अनुपम खेर के साथ तन्वी द ग्रेट फिल्म का विशेष शो देखा।

मप्र में टैक्स फ्री हुई तन्वी द ग्रेट

भोपाल। तन्वी द ग्रेट फिल्म मध्यप्रदेश में टैक्स फ्री कर दी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार देर रात इसकी घोषणा की। इसके पहले उन्होंने फिल्म का प्रदर्शन देखा। उनके साथ फिल्म निर्देशक एवं अभिनेता अनुपम खेर समेत भाजपा के कई नेताओं ने फिल्म देखी। इसके बाद अनुपम खेर ने सीएम हाउस पहुंचकर सीएम से मुलाकात की। सीएम ने अनुपम खेर का अंग वस्त्र से सम्मान किया। खेर भोपाल में फिल्म तन्वी द ग्रेट के विशेष प्रदर्शन के अवसर पर आए थे। इस अवसर पर फिल्म की अभिनेत्री शुभांगी दत्त और बाल कलाकार विराज अग्रवाल भी साथ थे। इस मौके पर अनुपम खेर ने सीएम को अपनी पुस्तक डिफरेंट बट नो लेस भी भेंट की।

उपभोक्ताओं को बिजली कनेक्शन काट देंने की धमकियां

बिजली के सिस्टम में घुसने की कोशिश में जालसाज, उर्जा मंत्री बोले- सावधान रहे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

जालसाज एक बार फिर सक्रिय है। ये बिजली कंपनी, बीमा कंपनियों समेत अन्य संस्थानों का हवाला देकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास करने में लगे हैं, ताकि लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा सके।

बिजली कंपनियों के उपभोक्ताओं के साथ ऐसा ही कुछ हो रहा है। जालसाज रोजाना सैकड़ों उपभोक्ताओं को फोन कर धमकियां दे रहे हैं कि बिजली बिल तुरंत नहीं भरा तो बिजली का कनेक्शन काट दिया जाएगा। फिर बिजली आपूर्ति नहीं होगी, दोबारा जोड़ने के पहले पूरा पैसा भरना होगा और जुर्माना अलग लग जाएगा। इसमें समय भी लगेगा। ये फोन कॉल उन उपभोक्ताओं के पास भी आ रहे हैं जिनका कोई बिल बकाया नहीं है। ऐसे उपभोक्ता बिजली कंपनियों को टोल फ्री नंबर पर शिकायत कर जालसाजों की करतूतें बता रहे हैं।

तोमर की सलाह- झांसे में आने से बचें

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की है जिसके आधार पर उन्होंने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि बिलों के भुगतान करने को लेकर किसी के झांसे में आने से बचें, जो धमकी दे रहे हैं वे जालसाज हैं। बिलों का भुगतान, बिजली कंपनी के जोन, वितरण केंद्र कार्यालय पर जाकर करें। जिसमें पीओएस मशीन की मदद लें। ऑनलाइन भुगतान करना हो तो अधिकृत भुगतान केंद्रों एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेन्टर, आईसेक्ट कियोस्क पर जाएं। कंपनियों के पोर्टल portal.mpcz.in पर भी भुगतान कर सकते हैं। जिसमें नेट बैंकिंग, क्रेडिट, डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि का उपयोग करें। फोन-पे, अमेजान-पे, गूगल-पे, पेटीएम-ऐप, व्हाट्सएप एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी भुगतान कर सकते।

बिजली काट दी जाएगी, जैसी धमकी देते हैं जालसाज

कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज अथवा आइव्हीआर तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिए कह रहे हैं। जालसाजों द्वारा बिल भुगतान कराने के लिए बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, जैसा भय बनाया जाता है और इसके लिए बिल भुगतान करने के लिए विशेष नंबर दबाएं अथवा मोबाइल नंबर विशेष पर संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं, जैसे संदेश दिए जाते हैं, जो सायबर ठगी है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज एवं आइव्हीआर फोन कॉल फर्जी हैं, इन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

सीएम ने मंत्रियों को दी जानकारी

अब स्पेन में आधुनिक खेती के गुर सीखेंगे मप्र के अन्नदाता

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए प्रदेश के किसान स्पेन की यात्रा करेंगे। यहां कृषि, उद्यानिकी और फल उत्पादन की उन्नत तकनीकी प्रबंधन सीखेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक शुरू होने से पूर्व मंगलवार यह जानकारी मंत्रियों को दी। उन्होंने मंत्रियों से दुबई व स्पेन यात्रा की सफलता को साझा किया। सीएम ने कहा कि स्पेन में उद्यानिकी, फल उत्पादन और कृषि क्षेत्र का प्रबंधन बहुत ही बेहतर ढंग से किया जा रहा है। इस क्षेत्र में आधुनिकतम तकनीक अपनाने के लिए प्रदेश के कृषक दलों को स्पेन भेजा जाएगा। वस्त्र व्यावसाय में लगे अंतरराष्ट्रीय समूह, हरित ऊर्जा के उपयोग और प्राकृतिक खेती से उत्पादित सामग्री को विशेष महत्व देते हैं। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश के उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशेष महत्व है। राज्य सरकार प्रदेश के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करेगी।

महाकाल की सवारी में मंत्रियों को किया आमंत्रित

सीएम ने कहा कि संपूर्ण वैश्विक जगत में विख्यात 12 ज्योतिर्लिंगों में से उज्जैन की धरती पर भूतभावन महाकाल बाबा विराजमान हैं। श्रावण तथा भाद्र मास में बाबा महाकाल की सवारी के रूप में आमजन के बीच पहुंचते हैं। बाबा महाकाल की सवारी का स्वरूप प्रत्येक सोमवार को अलग-अलग रूप में देखा जाता है। बाबा महाकाल की गौरवशाली सवारी में उपस्थित होने के लिए मंत्रि-परिषद के सभी साथियों के लिए उज्जैन के स्थानीय प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई।

मंत्रियों से बोले नकली, खाद, बीज पर नजर रखें

सीएम ने मंत्रियों से कहा है कि खाद, बीज व कीटनाशक की कालाबाजारी पर नजर रखें, जिलों में ऐसी गतिविधियां होनी नहीं चाहिए। इसके लिए अपने-अपने जिलों में शतत समीक्षा करें। कलेक्टरों से कहा कि कालाबाजारी व नकली खाद, बीज व कीटनाशक से जुड़ी शिकायतें सही पाए जाने पर बेझिझक एफआइआर करें।

संपादकीय

हंगामे के बीच नया घटनाक्रम

संसद के मॉनसून सत्र का आज तीसरा दिन है, लेकिन इसके बीते दो दिन कई मायने में बहुत हंगामेदार व सनसनीखेज भी हो गये हैं। सत्र का पहला दिन हंगामे के नाम रहा और यह स्थिति तब हुई, जब सरकार कह रही है कि वह विपक्ष के मुद्दे पर चर्चा के् लिए तैयार है। लिहाजा सत्र शुरू होने के पहले सर्वदलीय बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच जो सहमति बनती दिखी थी, वह अगले कुछ ही घंटों में गायब हो गई। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन सत्र का पहला दिन बीतने के बाद जो कुछ हुआ वह भी कम आश्चर्यजनक नहीं था, राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा देकर सदन के अंदर और बाहर के माहौल में अजब चर्चा छेड दी है। धनखड़ का इस्तीफा और इसकी वजहों का सामने नहीं आ पाना और सिर्फ स्वास्थ्यगत कारण को जाहिर किया जाना भी किसी अन्य घटनाक्रम की तरफ इशारा कर रहा है। जाहिर है कि अब संसद में मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा की बैठकों में नया नजारा भी दिखेगा। बहरहाल मौजूदा सत्र के शुरुआती दिनों में जिस आपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग पर गतिरोध रहा, उस पर सत्र शुरू होने के पहले पीएम ने भी मीडिया के समक्ष बात रख दी थी। वहीं सर्वदलीय बैठक में यह पहले से ही तय था कि इस सेशन में पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों और बिहार में चल रही वोटर लिस्ट की समीक्षा को लेकर विपक्ष की सरकार को घेरने की कोशिश होगी। ये सारे मुद्दे अहम भी हैं और सरकार भी इस बात को मान रही है। इस लिहाज से सर्वदलीय बैठक सुखद रही थी, जहां दोनों पक्ष सदन में सार्थक बहस के लिए तैयार दिख रहे थे। अब विपक्ष चाह रहा है कि सत्र की शुरुआत में ही चर्चा हो जाए और सरकार कह रही है कि पहले कार्यमंत्रणा समिति में उन विषयों को उठाया जाए, जिन पर बात होनी है - जो मुद्दे तय होंगे, सरकार उन पर चर्चा को राजी है। दोनों पक्ष यह दिखाना चाहते हैं कि उनकी तरफ से कोई गतिरोध नहीं। यह राजनीति की मांग होती है कि सरकार कमजोर नहीं दिख सकती और विपक्ष झुकना नहीं चाहता। लेकिन, इन मुद्दों की गंभीरता को देखते हुए राजनीतिक विरोध को एक तरफ रखने की जरूरत है। सरकार और विपक्ष, दोनों को याद रखना चाहिए कि वे जिन सवालों को लेकर आमने-सामने हैं, उनका जवाब पूरा देश जानना चाहता है। सवाल भले विपक्ष के हों, पर उनके जवाबों पर पहला हक जनता का होगा। बेशक सरकार ने भी समय-समय पर बात रखी है, लेकिन पारदर्शी और विस्तृत ढंग से सारी चीजें तो बहस के बाद ही सामने आ पाती हैं। संसद में सरकार और विपक्ष की जवाबदेही तय होती है और इसे हंगामे की भेंट नहीं चढ़ाया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना दोनों की जिम्मेदारी है कि सत्र के आने वाले दिन सकारात्मक और सार्थक हों। मॉनसून सत्र को पीएम ने विजयोत्सव की तरह बताया है। उन्होंने जंग के मैदान में पाकिस्तान के खिलाफ, नक्सलियों के विरुद्ध देश के भीतर चल रही लड़ाई में और इकॉनमी के मोर्चे पर मिली सफलताओं का जिक्र किया। पीएम ने मौजूदा सत्र के लिए एक तरह से सरकार का रुख तय कर दिया कि इसी पर चर्चा आगे बढ़ेगी, लेकिन यह तब तक संभव नहीं है जब तक सरकार और विपक्ष के बीच एक कॉमन ग्राउंड न बने।

अन्धे पेट के बड़े गहरे होते हैं। उन्हें बड़ी दूर की सूझती है।

- प्रेमचंद

आज का इतिहास

- 1555: सरहिंद में सिकंदर सूरी को हराकर मुगल शासक हुमायूं दिल्ली पहुंचा।
- 1829: अमेरिका के विलियम ऑस्टिन बर्ट ने टाइपोग्राफ का पेटेंट कराया। इससे बाद ही टाइपराइटर का विकास हुआ।
- 1877: हवाई में पहली टेलीफोन और टेलीग्राफ लाइन बिछाई गई।
- 1881: अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक संघ ने खेल परिसंघ की स्थापना की। यह विश्व का सबसे पुराना खेल परिसंघ है।
- 1903: मोटर कंपनी फोर्ड ने अपनी पहली कार बेची।
- 1920: ब्रिटेन के कब्जे वाले पूर्वी अफ्रीका का नामकरण केन्या किया गया।
- 1927: मुंबई से रेडियो सेवा का नियमित प्रसारण शुरू।
- 1974: यूनान में सैन्य शासन का अंत और पूर्व प्रधानमंत्री कौन्सटैनटिन कारमनालिस को दोबारा सत्ता संभालने का न्यौता दिया गया।
- 1998: संयुक्त राज्य अमेरिका ने सात भारतीय वैज्ञानिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया।
- 2001: मेघावती सुकर्णोपुत्री इंडोनेशिया की राष्ट्रपति बनीं।
- 2005: मिस्र के शर्म-अल-शेख के रिजॉर्ट में हुए बम धमाकों में 88 लोग मारे गए।
- 2008: नेपाल के पीएम गिरिजा प्रसाद कोइराला ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति रामबरन यादव को अपना इस्तीफा सौंपा।
- 2012: इराक में सिलसिलेवार हमलों में 103 लोग मारे गए।
- 1856: राष्ट्रवादी, गणितज्ञ और दार्शनिक बाल गंगाधर तिलक का जन्म दिवस।
- 1906: क्रांतिवीर चंद्रशेखर आजाद का जन्म दिन।
- 1936: पंजाबी भाषा के कवि शिव कुमार बटालवी का जन्म दिवस।
- 1947: भारतीय वायलिन वादक और संगीतकार एल. सुब्रमण्यम का जन्म दिवस।
- 2012: स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेविका लक्ष्मी सहगल का निधन।
- 2016: भारतीय चित्रकर एसएच रजा का निधन।
- 2007: अफगानिस्तान के अंतिम राजा मोहम्मद जहीर शाह का निधन।

निशाना

मचने लगा बवाल !

-कृष्णेन्द्र राय

शुरु हो गया सत्र ।
मचने लगा बवाल ।।
दौड़ रहा विपक्ष ।
लेकर के सवाल ।।
हंगामा है भारी ।
थे जिसके आसार ।।
अपने अपने ढंग से ।
सबका शुरू प्रचार ।।
हास्यास्पद है स्थिति ।
कहीं पर उमंग ।।
समझ रहा जनमानस ।
है रंग में ये भंग ।।
देखते और सुनते ।
गए दशक अब बीत ।।
भंग कार्यवाही को ।
बता देंगे जीत ।।

द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना बड़ी जीत

■ ललित गर्ग

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है।

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को 'स्वदेशी विद्रोह' की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह 'पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लाने' के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफ़ान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को 'कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता।

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है?

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन, और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए।

आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। सवाल यह भी है कि जब पाकिस्तान आतंकी संगठनों का खुलेआम समर्थन करता रहता है तो उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में डालने से परहेज क्यों किया जा रहा है? विशेषज्ञों का कहना है कि अमरीका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी।

पहलगाम का हमला एक बार फिर हमें चेतावनी देता है कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का संकट नहीं, बल्कि सभ्यता, शांति और मानवता का अपमान है। हमें अब शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प और कार्यवाही की ओर बढ़ना होगा। भारत को अब केवल प्रतिकार नहीं, बल्कि निर्णायक प्रहार की नीति अपनानी चाहिए ताकि अगली पीढ़ी एक ऐसे भारत में सांस ले सके जहां 'कश्मीर' केवल खूबसूरती का पर्याय हो, आतंक का नहीं। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर फन उठाने का मौका न मिले।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आध्यात्मिकता के युग में तीर्थयात्रा के खतरे

■ गौतम भाटिया

इस साल अमरनाथ यात्रा के दौरान रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। हालांकि, अभी ये यात्रा स्थगित कर दी गई है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि एक महिला पर पत्थर गिरने से बड़ा हादसा हुआ। तीन हफ्ते पहले, बद्रीनाथ जा रही एक बस अलकनंदा नदी में गिर गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। उसी समय, यमुनोत्री मार्ग पर भूस्खलन से दो लोगों की जान चली गई। एक दिन बाद, केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसमें सवार सभी सात लोग मारे गए। हाल ही में जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा में 14 लाख से ज्यादा लोग आए। भीड़ में दबने से तीन लोगों की मौत हो गई।ऐसे में सवाल ये कि धार्मिक त्योहारों, तीर्थ यात्राओं और मंदिरों में इतनी भीड़ और दुर्घटनाएं क्यों बढ़ रही हैं? भक्ति का निजी मामला भीड़ प्रबंधन का घातक मामला कैसे बन गया है? क्या इतने बड़े पैमाने पर किए जाने वाले धार्मिक आयोजन को पवित्र माना जा सकता है? अब तीर्थयात्रा एक %स्पिरिचुअल बकेट लिस्ट% बन गई है, जहां लोग धार्मिक स्थलों को घूमने की जगहों की तरह देखते हैं।

पहले तीर्थ यात्रा करना आसान नहीं था। असुविधाएं कभी किसी भी तीर्थयात्रा की एक अहम पहचान हुआ करती थीं। पहले के जमाने में, जब चार धाम फोरलेन वाले राजमार्गों से जुड़े नहीं थे, जब वैष्णो देवी तक हेलीकॉप्टर से नहीं पहुंचा जा सकता था और जब अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ के दरवाजे पर आलीशान होटल नहीं थे, लोग पैदल ही यात्रा करते थे।श्रद्धालु संकरी तलहटी वाले कष्टदायक पहाड़ी रास्तों पर लंबी दूरी तय करते थे, अक्सर जंगलों में या बिना किसी सुविधा वाले रास्तों पर डेरा डालते थे। हालांकि, भक्ति इतनी गहरी थी कि कोई भी तीर्थ यात्रा मुश्किल नहीं लगती थी। लोग धीरे-धीरे पैदल चलते थे। बूढ़े और कमजोर लोग घोड़े पर जाते थे। वे उम्मीद और अनिश्चितता के साथ यात्रा करते थे। उनका यही सोचना था कि भगवान को दूरी, धैर्य और तकलीफ चाहिए थी। इसके बिना, यात्रा का कोई मतलब नहीं था।

आज, देश के दो सबसे प्रतिष्ठित स्थलों की यात्रा नाटकीय रूप से बदल गई है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ

मंदिर तक पहुंचने का रास्ता पहले संकरी, टूटी-फूटी गलियों के एक कष्टदायक मिश्रण से होकर गुजरता था, जिससे यह रास्ता खोज के लिए एक कठिन तीर्थयात्रा बन गया था। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण होने के बाद से, इस पैदल मार्ग को चौड़ा किया गया है, जिससे शहर की सड़क से नदी तक पहुंचने का रास्ता स्थानीय व्यापार के मिश्रण से जुड़ गया है। इसमें साड़ी एम्पोरिया, रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकानें और छोटे होटल शामिल हैं।वाराणसी के साथ-साथ अयोध्या में भी ऐसा ही है। आप नए बने एयरपोर्ट पर उतरते हैं, पहले से बुक किए गए होटल में ठहरते हैं, मंदिर जाते हैं, कई रेस्टोरेंट में खाना खाते हैं और अपेक्षाकृत आराम से रहते हैं। बिल्कुल वैसे ही जैसे आप डिज्नीलैंड या नियाग्रा फॉल्स में रहते हैं। दोनों ही जगहें, असुविधाजनक तीर्थयात्रा से ज्यादा, एक खास पर्यटन स्थल बन गई हैं।शायद यह जरूरी है, क्योंकि लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। 1980 में, वैष्णो देवी आने वाले लोगों की संख्या नौ लाख थी। अब यह संख्या लगभग एक करोड़ है। अमरनाथ यात्रा में भूस्खलन के कारण यात्रा रोकने से पहले छह दिनों में एक लाख भक्त आए थे। यह संख्या जनसंख्या में वृद्धि को दिखाती है। यह धर्म के बढ़ते व्यवसायीकरण को भी दर्शाती है।तीर्थयात्रा अब एक तरह की %स्प्रिचुअल बकेट लिस्ट% बन गई है। यह जीवन के पर्यटन मानचित्र पर चेकबॉक्स की एक श्रृंखला है। वे सोचते हैं कि उन्होंने दो चार धाम कर लिए हैं, अब दो और करने हैं। अयोध्या हो गया, अब अमरनाथ और कैलाश मानसरोवर जाना है। पहाड़ी क्षेत्रों में शहरीकरण बढ़ रहा है। मौसम भी बदल रहा है। इससे भूस्खलन, हिमस्खलन, बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं बढ़ रही हैं।राज्य सरकारें अस्थायी उपाय करेंगी, जहां संभव हो, वहां रास्तों को चौड़ा करना, भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाना और रास्तों पर सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाना। लेकिन तीर्थयात्रियों की संख्या को नियंत्रित किए बिना, इन प्रयासों का कोई फायदा नहीं है। जरूरी है कि हर दिन आने वाले लोगों की संख्या पर सख्त सीमा लगाई जाए। यह संख्या वहां मौजूद सुविधाओं के हिसाब से होनी चाहिए। रोप-वे या हेलीकॉप्टर सेवाओं जैसी त्वरित पहुंच वाली सभी सुविधाओं को हटाना जरूरी है।

पैदल चलने वाले रास्ते ही पवित्र स्थलों तक पहुंचने का एकमात्र विकल्प होने चाहिए।अंत में, कुछ मंदिरों और तीर्थस्थलों को बंद करने की जरूरत है। वहां ज्यादा लोगों के आने से इमारतों और पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। आजकल धर्म के साथ व्यापार जुड़ गया है। पवित्रता को एक तमाशे के रूप में पेश किया जा रहा। यह आसानी से पहुंचने और इस्तेमाल करने में आसान है। नतीजतन, ज्यादा लोग मंदिरों, तीर्थस्थलों और पवित्र नदियों में जा रहे हैं, लेकिन इससे उनकी पवित्रता खत्म हो रही है।जल्द ही, ऋषिकेश के आसपास की पहाड़ियों को तीर्थयात्रा के मानचित्र पर एक और यात्रा से जोड़ा जाएगा। ये ऋषिकेश के पास स्थित एक आश्रम है। 1968 में बीटल्स यहां महर्षि महेश योगी के साथ आए थे। अब इसे एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बनाया जाएगा। क्या पॉल मेकार्टनी और रिंगो स्टार उद्घाटन में आएंगे? क्या उनकी एंबेसडर कार की सीटें बदली जाएंगी? कुछ भूले हुए तीर्थ स्थलों को भुला देना ही बेहतर है। या फिर उन पर एक छोटा सा शिलालेख लगा देना चाहिए।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

जीवा ज्योति हायर सेकंडरी स्कूल में अलंकरण समारोह आयोजित

सिवनी मालवा। जीवा ज्योति हायर सेकंडरी स्कूल में अलंकरण समारोह मनाया गया। समारोह में सभी नव निर्वाचित लीडर के पालक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल प्राचार्या ज्योति पणिकर द्वारा सरस्वती पूजन से की गई। तत्पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा अभिभावकों के स्वागत हेतु स्वागत गीत गया गया। स्वागत के बाद बेच वितरण समारोह किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या ने शपथ दिलाई एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। शपथ लेने वालों में हेड बॉय अंश रघुवंशी, हेड गर्ल भूमि रघुवंशी, डिप्टी हेड बॉय राजवीर राठौर, डिप्टी हेड गर्ल अंशिका लोवंशी, एजुकेशन मिनिस्टर रिधिमा यदुवंशी, डिसिप्लिन मिनिस्टर संकल्प मुकाती स्पोर्ट्स मिनिस्टर ऋषभ रघुवंशी, कल्चरल मिनिस्टर राधिका लोवंशी, रेड हाउस कैप्टन नंदिनी सराठे, जूनियर स्पोर्ट्स मिनिस्टर जायन शाहिद जूनियर कल्चरल मिनिस्टर यशी यदुवंशी शामिल थे।

भगवान भक्तों की रक्षा के लिए अति का उल्लंघन कर देते हैं -पं. अविनाश

नर्मदापुरम। तवानगर में स्व. अशोक यादव के वार्षिक श्राद्ध के निमित में चल रही भागवत कथा के द्वितीय दिवस बिलासपुर (छ.ग.) से पधारे कथा व्यास आचार्य अविनाश तिवारी ने बताया कि भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए अति का भी उलंघन कर देते है। महाभारत के युद्ध के बाद उत्तरा के गर्भ में पल रहे बालक परीक्षित को अश्वत्थामा ने ब्रह्मास्त्र लगा कर मृत कर दिया जिसके बाद भगवान ने अंगूठे भर का रूप लेकर उत्तरा के गर्भ में जाकर के उस मृत बालक परीक्षित को जीवित किया जिसे आगे चलकर ऋषि पुत्र श्रृंगी का श्राप लगा कि उसकी मृत्यु सात दिन में हो जाएगी ।

अवैध मत्स्याखेट पर बड़ी कार्रवाई, 500 किलोग्राम मछली की जब्त

नर्मदापुरम. कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार मछली पालन विभाग की गठित टीम द्वारा अवैध मत्स्याखेट एवं मत्स्य परिवहन पर सख्त कार्रवाई की गई। गत दिवस सोहागपुर मछली मार्केट, नर्मदापुरम बंगाली कॉलोनी एवं ग्राम डोंगरवाड़ा क्षेत्रों में की गई छापामार कार्रवाई में लगभग 500 किलोग्राम मछली जब्त की गई। जब्त की गई मछली की नीलामी कर 10 हज़ार 600 रुपए (दस हजार छह सौ रुपये) शासन के खाते में चालान के माध्यम से जमा किए गए।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग से की बाढ़ पूर्व तैयारी की समीक्षा

बाढ़ प्रभावितों को भोजन व आश्रय तुरंत मिले एसडीआरएफ की टीम जिलों में रहे मुस्तैद

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अति वर्षा या बाढ़ की स्थिति में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए आश्रम स्थल की एवं खाद्य सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित के निर्देश दिए हैं। । मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ एवं अति वर्षा की स्थिति में आकस्मिक मृत्यु, आकाशीय बिजली गिरने की घटना एवं मकान क्षति आदि से जो जनहानि होती है उसका भी आकलन करके 15 दिवस में प्रभावित व्यक्तियों को एवं उनके परिजनों को राहत राशि देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ की टीम सभी जिलों में तैनात है, यह टीम जिलो में अति वर्षा एवं बाढ़ से निपटने के लिए मुस्तैद रहे। आपदा की सूचना दे एवं उसकी फोटो वीडियो एवं बचाव कार्य की जानकारी से वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराए।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मंगलवार को वर्षा एवं बाढ़ से बचाव की सभी तैयारियां की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर को निर्देश दिए कि जिन नाले, नाली, नदियों एवं रपटों, पूल, पूलियो पर पानी का ओवरफ्लो हो रहा है या पानी तेजी से बढ़ रहा है, वहां पर संकेतक एवं चेतावनी बोर्ड, बैरीकेटिंग लगवाएं। इन स्थानों पर बचाव के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती करें। उन्होंने कहा कि होमगार्ड के जवान लाइव जैकेट एवं टॉर्च, नाव एवं अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात रहे। जिला प्रशासन की सभी तैयारियां चाक चौबंद रहे। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सतत संपर्क में रहे। डैम के गेट खुलने की सूचना पूर्व से ही मुनादी कराकर एवं अन्य संचार माध्यमों से जनता तक पहुंचाई जाए ताकि आम जनता सतर्क रहे। आसपास के जिलों को भी डैम के गेट खुलने की सूचना अनिवार्य रूप से दी जाए। बाढ़ उन्मुख नदियों पर विशेष रूप से निगरानी रखी जाए।

राहवीर योजना का व्यापक प्रचार कर लोगों को प्रोत्साहित किया जाए

उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को तत्काल अस्पताल पहुंचने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के लिए राहवीर योजना प्रारंभ की गई है। राहवीर योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कर ऐसे व्यक्तियों को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहां कि सभी जिले रोजगार उन्मुखी कार्यक्रम आयोजित करें। भूमि पूजन लोकार्पण एवं एमओयू कितने साइन हुए हैं इसका भी व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करें। उन्होंने कहा कि जिला विकास समिति का गठन सभी जिलों में किया जाएगा। इस समिति में 20 सदस्य रहेंगे। समिति में ऐसे सदस्य रहेंगे जो अपने-अपने क्षेत्र में विख्यात है एवं उन्होंने समाज को एक नई दिशा एवं मार्गदर्शन देने का कार्य किया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी, उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, डिविजनल कमांडेड होमगार्ड एवं संबंधित अधिकारी गण उपस्थित थे। वही कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरण सिंह एवं अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

बताया गया कि इस बार प्रदेश में औसत से 60त्न ज्यादा वर्षा हुई है। सर्वाधिक वर्षा टीकमगढ़ निवाड़ी सीधी छतरपुर मंडला आदि जिलों में हुई है। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह बाढ़ के दौरान तत्परता से कार्य करना सुनिश्चित करें एवं राज्य तथा जिला प्रशासन की एक सकारात्मक छवि प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी किनारे के एवं अन्य जर्जर भवनों को चिन्हित कर डिस्मेंटल करने की कार्रवाई भी शीघ्र से शीघ्र की जाए। कोई भी अकाल मृत्यु ना हो। बारिश के समय बिजली के खुले तार ना छोड़े जाएं। । सुरक्षा के सभी पुख्ता इंतजाम किये जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गंभीर स्थिति में एयर एंबुलेंस का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। मुख्यमंत्री ने आगामी अगस्त माह में आने वाले विभिन्न पर्वों एवं त्योहार को धूमधाम से मनाने के निर्देश दिए। इस वर्ष जन्माष्टमी के अवसर पर सभी जिलों में झांकी अनिवार्य रूप से निकाली जाए। गणेश जी की प्रतिमा मिट्टी से निर्मित की जाए। दशहरे के अवसर पर सभी थानों में पूर्व वर्ष की भांति शस्त्र पूजा अनिवार्य रूप से कराई जाए। जन्माष्टमी का पर्व विशेष रूप से जन्माष्टमी किस संदर्भ में मनाया जाता है इसकी जानकारी आम नागरिकों को दी जाए।

ईपीएस95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के प्रदेश संयुक्त सचिव नियुक्त हुए मिश्रा

नर्मदापुरम. ईपीएस.95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक रावत द्वारा मध्य प्रदेश ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन के प्रदेश महामंत्री प्रवेश मिश्रा को ई.पी.एस. 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति मध्यप्रदेश का स्टेट जॉइंट सेक्रेटरी नियुक्त किया है ! उक्त जानकारी देते हुए फेडरेशन के प्रदेश प्रवक्ता अरुण दीक्षित ने बताया कि मिश्रा कि यह नियुक्ति राष्ट्रीय महासचिव इंजी.वीरेन्द्र सिंह राजावत की अनुसंशा तथा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष शशिभान सिंह भदौरिया के प्रस्ताव पर सर्व सम्मति से की गई है! मजदूर नेता मिश्रा की नियुक्ति से मध्यप्रदेश में संगठन को और मजवूती मिलेगी तथा मध्यप्रदेश में आन्दौलन को नई गति मिलेगी साथ ही प्रदेश के हजारों कर्मचारियों के वैधानिक भुगतान की प्रक्रिया भी गति पकड़ेगी !

गंजबासौदा की घटना: मृतका के प्रेमी ने ही दिया घटना को अंजाम

मां-बेटी की हत्या से नगर में फैली सनसनी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मंशापूर्ण हनुमान मंदिर गली में एक महिला और मासूम बच्ची की हत्या से पूरे नगर में सनसनी फैल गई। इस दिल दहला देने वाली घटना की जैसे ही लोगों को जानकारी मिली तो घटना स्थल के आसपास लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना सोमवार मंगलवार रात्रि के समय की बताई जा रही है। जिसमें घटना को अंजाम महिला के प्रेमी ने ही दिया है। जिसमें महिला और मासूम बच्ची की गला दबाकर जान ले ली गई। महिला पिछले कई महीनों से प्रेमी के साथ एक किराए के मकान में रह रही थी। हत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है फिलहाल पुलिस पारिवारिक विवाद की शंका जाता रही है। बता दें कि सोमवार मंगलवार की दरमियानी रात में

मृतका रामसखी और प्रेमी अनुज विश्वकर्मा के बीच आपसी विवाद हो गया विवाद इतना बढ़ गया।आरोपी ने तीन साल की मासूम की व प्रेमिका रामसखी को मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी लगते ही घटना स्थल पर सिटी कोतवाली टी.आई , एसडीओपी शिखा भलावी पहुंचे और विदिशा से एसएफएल टीम भी मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। पुलिस ने बताया कि शहर थाना पुलिस जांच में जुटी हुई है। साथ ही शहर में तरह-तरह की चर्चाएं भी है कि है ऐसा क्या कारण रहा कि आरोपी ने महिला के साथ तीन वर्ष की मासूम की भी हत्या कर दी फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

डीआईजी ने किया घटना स्थल का निरीक्षण, जांच जारी

दिल दहलाने वाली घटना में प्रेमी ने अपनी प्रेमिका व तीन वर्ष की मासूम की हत्या कर दी। घटना की चर्चा दिन भर शहर में जगह जगह होती रही ।दोपहर को डीआईजी ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए डीआईजी ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है ।

जनसुनवाई में 85 आवेदन आए, निराकरण के निर्देश

नर्मदापुरम. मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के दूरदराज अंचलों से आए आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई के दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा सराफ ने 85 आवेदनकर्ताओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं जानी और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही तहसील एवं ग्राम पंचायतों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में वृद्धावस्था पेंशन, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

दस्तक अभियान: बच्चों को विटामिन ए पिलाकर किया स्वास्थ्य परीक्षण

नर्मदापुरम। जिले में दस्तक अभियान का आगाज हो गया है। इस अभियान का उद्घाटन जिला अस्पताल में नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव और पार्षद रोहित गौर द्वारा बच्चों को विटामिन ए पिलाकर किया गया। अभियान के पहले दिन 2800 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिले के सभी विकास खंडों में संस्था प्रभारी और जनप्रतिनिधि द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों पर हितग्राहियों को विटामिन ए और आयरन सिरप पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जनप्रतिनिधियों और चिकित्सा विशेषज्ञों ने नागरिकों से बाल्यकालीन बीमारियों को रोकने और शिशु मृत्यु को रोकने हेतु इस अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपील की है।

वेयरहाउस सील होने से किसान परेशान, एसडीएम को दिया ज्ञापन

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

ग्राम बिसौनी कला में पिछले दिनों मूंग उपार्जन के दौरान कई अनियमितताएं सामने आई थीं। किसानों ने आरोप लगाया था कि वेयरहाउस में अमानक मूंग खरीदी की जा रही है जिस पर आधिकारियों ने जांच कर शिकायत सही पाए जाने पर वेयर हाउस सील कर दिया था। जिससे अब क्षेत्र के किसानों की कई समस्या सामने आ रही है। गत दिवस किसान एसडीएम को ज्ञापन देकर मूंग बेचने में हो रही समस्याओं के समाधान के के लिए तहसील कार्यालय पहुंचे। ज्ञापन में बताया कि मां शारदा वेयर हाउस बिसोनी कलां सील होने के कारण किसानों ने जो स्लाट बुक करवाए हैं उन किसानो का एक 40 क्विंटल का बिल बन गया। बाकी मूंग जो वेयर हाउस में पडी है उसका क्या होगा। क्योंकि बिल बनाना भी बंद कर दिया गया है। वही अगली तारीख में जो स्लाट बुक हैं, उनके स्लाट कम दूरी वाले वेयरहाउस में ट्रांसफर करवाए जाए। यदि मूंग वापस की जाती है तो एफएक्यू स्तर की मूंग दिलवाई जाए। जो मूंग तुलवाने के उपरांत वेयर हाउस में पडी है उसके बिल बनवाए जाए। इस पूरे मामले में एसडीएम सरोज सिंह परिहार ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों की समस्या के समाधान के लिए भेजा जा रहा है।

वाहनों पर 27 हजार रुपए लगाया जुर्माना

नर्मदापुरम। संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी एवं कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में बस संचालन को लेकर सख्ती बरती जा रही है। इसी क्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा द्वारा ओवरब्रिज तिराहा, एनएमवी कॉलेज, हरियाली चौराहा सहित प्रमुख स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यह पाया गया कि कुछ बसें यात्रियों को चढ़ाने और उतारने के लिए अनाधिकृत स्थलों पर रुक रही थीं, जिससे यातायात बाधित हो रहा था। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि बस को ओवरब्रिज तिराहे व अन्य स्थलों पर यातायात नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

मेट्रो एंकर

औबेदुल्लागंज ब्लॉक की ज्यादातर पंचायतों पर महिला सरपंचों के पति या अन्य रिश्तेदारों का कब्जा

कागजों तक सीमित है महिला सशक्तिकरण, परिजन कर रहे हैं सरपंची

अमित श्रीवास्तव। औबेदुल्लागंज

ओटीटी प्लेटफार्म पर इन दिनों काफी लोकप्रिय सीरियल 'पंचायत' के सरपंच जी को भला अब कौन नहीं जानता। सरपंच दरअसल पत्नी हैं लेकिन पूरी ठसक के साथ पति खुद न सिर्फ सरपंच कहलाते हैं बल्कि काम भी करते हैं। बात सीरियल तक ही सीमित नहीं है, अपने आसपास ही ऐसे उदाहरण देखे जा रहे हैं।

पंचायती राज व्यवस्था में महिला सरपंचों को सशक्त बनाने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। जिनमें सशक्त पंचायत नेत्री अभियान और मॉडल महिला अनुकूल ग्राम पंचायत पहल शामिल हैं। इन पहल का उद्देश्य महिला सरपंचों को प्रशिक्षण प्रदान करना उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करना और उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आत्मविश्वास से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है लेकिन सरकार की इस मंशा पर सरपंच पतियों और परिजनों ने कब्ज़ा कर रखा है औबेदुल्लागंज ब्लॉक की 71 पंचायत में 50 फीसदी आरक्षण के साथ 36 पंचायत में महिला सरपंच निर्वाचित होकर पंचायत प्रधान के पद पर हैं। परंतु जमीनी हकीकत में इन महिला सरपंचों के परिजन उनके अधिकारों पर कब्ज़ा किये बैठे हुए हैं। किसी पंचायत में पति, किसी में बेटा या किसी पंचायत में अन्य परिजन इन पंचायत का जमीनी काम संभाले हुए हैं। उदाहरण के लिए दाहोद पंचायत की सरपंच ओमवती हैं लेकिन पूरा काम उनके पति महेश पटेल देखते हैं। इसी तरह अम्बाई पंचायत में धरम सिंह असली सरपंच बने हुए हैं जबकि कागजों पर सरपंच सावित्री बाई हैं।

आड़े आती है परिवार की परंपरा

सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद महिला सरपंच ना तो जनपद पंचायत कार्यालय तक आ रही हैं ना ही पंचायत भवन में बैठकर विकास कार्यों का निर्णय ले पा रही हैं। इन महिला सरपंचों को परिवार की प्रथा के कारण अपने अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। वहीं महिला सशक्तिकरण जैसे कार्यक्रमों को भी इन नेताओं द्वारा ठेंगा दिखाया जा रहा है । हालत तो यह है की जनपद पंचायत कार्यालय में महिला जनप्रतिनिधियों के पति बेटा या परिजन अधिकारियों से इस लहजे में बात करते हैं जैसे वह स्वयं ही पंचायत प्रधान हों। शासकीय कार्यों की स्वीकृति लेना हो, बिल पास कराना हो या पंचायत का जमीनी स्तर पर कार्य करना हो। सभी कार्यों में परिजन पूर्ण हस्तक्षेप के साथ अधिकारियों से साँठ - गाँठ कर पंचायत चला रहे हैं। जिन अधिकारियों पर महिला सशक्तिकरण और महिला जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षित कर लोकतंत्र में साझी भागीदारी कराना थी वह अधिकारी भी पंचायत प्रधानों को उनका अधिकार नहीं दिला पा रहे हैं । जबकि प्रदेश सरकार ने पंचायती राज व्यवस्था के अनुसार महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया हुआ है। साफ़ है महिला सशक्तिकरण का पूरा मामला सिर्फ कागजों में ही है। जमीनी हकीकत कुछ और ही बयाँ करती हैं ।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो शासन का मत है वही हमारा मत है। महिला सशक्तिकरण की जहां तक बात की जाती है तो हम चाहते हैं कि महिला प्रधान ही लोकतांत्रिक रूप से काम करें। अगर महिला प्रधान की जगह कोई और कार्य कर रहा हैं या ऐसी कहीं से कोई शिकायत लिखित में आती है तो विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी । -**निखलेश कटारे**, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज

काशीविश्वनाथ मंदिर में रोज हो रहा है शिवशृंगार

श्रावण मास में महेश्वर बना भक्ति का केंद्र

महेश्वर। पवित्र नर्मदा नदी के तट पर बसे ऐतिहासिक शहर महेश्वर में श्रावण मास के पावन अवसर पर भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिल रहा है। यहां स्थित श्री काशीविश्वनाथ मंदिर में प्रतिदिन भगवान शिव का भव्य श्रृंगार किया जा रहा है। हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। श्रावण के इस पावन महीने में महेश्वर नगरी एक बार फिर अध्यात्म और आस्था का प्रमुख केंद्र बन गई है। मंदिर परिसर में शांति, श्रद्धा और शिवभक्ति का अनुपम संगम देखने को मिल रहा है।

गुना में निकली रैली, बिजली विभाग के लिए लोगों को राजी करना हुआ मुश्किल

बढ़ता जा रहा है बिजली के स्मार्ट मीटर का विरोध, कंपनी के खिलाफ लगे नारे

गुना। दोपहर मेट्रो

बिजली उपभोक्ता एसोसिएशन के बैनर तले स्मार्ट मीटर के विरोध में सड़क पर सैलाब दिखा। लोगों की भीड़ रैली की शक्ल में गुना के स्थानीय शास्त्री पार्क से सदर बाजार रपटा ,हनुमान चौराहा होते हुए बिजली विभाग तक पहुंची।

बता दें कि स्मार्ट मीटर के विरोध में शहर सहित आस पास के गांव में आंदोलन चल रहा है। बिजली उपभोक्ता एसोसिएशन के बैनर तले गली गली में आम नागरिक रैली निकलकर, सभा के साथ प्रचार अभियान चलाकर स्मार्ट मीटर का विरोध कर रहें है । इसी विरोध के क्रम में गुना में महारैली का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश बिजली उपभोक्ता एसोसिएशन के साथी राकेश मिश्रा और नरेंद्र भदौरिया ने कहा कि प्राइवेट कंपनी द्वारा शहर भर में आम जनता के भारी विरोध के बाबजूद लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर पर तुरंत रोक लगाई जाए व बिजली के निजीकरण की नीति को रद्द किया जाए। वहीं कांग्रेस के हरि विजयवर्गीय ने कहा कि बिजली महंगी होने से हर वो चीज भी महंगी हो जाएगी जिसका उत्पादन बिजली की सहायता से किया जाता है। स्पष्ट है कि स्मार्ट मीटर आम जनता के हितों के खिलाफ और बिजली के निजीकरण को बढ़ावा देकर कंपनियों की अकूत लूट को स्थापित करने वाला है।

उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण में पारदर्शिता लाई जाए

एसोसिएशन के मनोज रजक व रवि शर्मा ने कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर निजी कंपनियों द्वारा आम जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने के लिए लगाए जा रहें है। जनता समझ रही है कि सरकार ने मध्यप्रदेश की बिजली को प्राइवेट कंपनी को ठेके पर दे दिया है। बिजली सेवा का क्षेत्र है जिसमें व्यापार नहीं होना चाहिए। सरकार ने जनता के हितों को अनदेखा कर बिजली को निजी हाथों में दे दिया है जो जनता के साथ धोखाधड़ी है। अगर जनता हर चीज का उपयोग करने के बदले उसके बराबर दाम चुकाएगी तो फिर सरकार के पास जनता के टैक्स का पैसा है वो किसके लिए है? स्मार्ट मीटर बिजली पर छूट देने के लिए नहीं बल्कि हर समय लाइट बंद करने का संकेत है। महारैली बिजली कंपनी के दफ्तर पहुंचकर विशाल धरना प्रदर्शन में तब्दील हुई और मांग की गयी कि बिजली के प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को रद्द किया जाये। जहाँ-जहाँ स्मार्ट मीटर लगाये गये हैं उन्हें हटाकर पुराने मीटर लगाएं। जिन लोगों के बिल बढ़कर आये है उन्हें सही किया जाये। उपभोक्ताओं की बिजली सम्बंधित समस्याओं के निराकरण में सुलभता और पारदर्शिता लाई जाये।

सरपंच ने की उच्च अधिकारियों से शिकायत

प्राथमिक शाला में सरपंच को मिली सिर्फ एक टीचर, सुधरने की नसीहत

तेंदूखेड़ा। वनांचल के अंदरुनी इलाकों के सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का बुरा हाल है। शिक्षकों के समय पर स्कूल पहुंचने का कोई समय निर्धारित नहीं है। जिसके चलते समय पर स्कूल खुल नहीं पा रहे हैं। बच्चे समय पर स्कूल आ रहे हैं लेकिन शिक्षक समय पर नहीं पहुंच रहे हैं। जिसके चलते स्कूली बच्चों को घंटों स्कूल खुलने का इंतजार करना पड़ता है। जब सैलवाला प्राथमिक शाला में ग्राम की सरपंच ने स्कूल का जायजा लिया तो स्कूल में केवल एक शिक्षिका ही उपस्थित मिली। उन्होंने इस व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को नसीहत देने की बात कही है। नगर से 25 किमीदूर वनांचल में स्थित सैलवाडा स्कूल में जो शिक्षक शिक्षा देने बच्चों को जाते हैं वह जबलपुर ,पाटन ,तेंदूखेड़ा से पहुंचते हैं जिसके कारण कभी भी वह 11 बजे की पहले नहीं पहुंचते। जिससे ग्राम के अभिभावक तो परेशान हैं ही साथ में बच्चे भी कई बार स्कूल का ताला नहीं खुलने पर परेशान होते हैं।

सागर और दमोह की पंचायतों के लिए पेपरलैस पद्धति से हुआ 70% मतदान

सारगर। दोपहर मेट्रो

पंचायत उप निर्वाचन 2025 में त्रि-स्तरीय पंचायतों में रिक्त पद के लिये मंगलवार को मतदान हुआ। सरपंच पद के लिये 49 और जनपद पंचायत सदस्य के 5 पदों के लिये मतदान हुआ। कुल 70.51 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने बताया कि सागर जिले की 4 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिये 9 मतदान केन्द्रों और दमोह जिले के वार्ड-16 के जनपद सदस्य के निर्वाचन के लिये 9 मतदान केन्द्रों में मतदान इंटिग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीबीएमएस) से कराया गया। इन मतदान केन्द्रों की मतदान प्रक्रिया का लाइव प्रसारण भी किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यालय के सामने तथा सागर और दमोह में एक-एक स्क्रीन लगाई गई इसमें मतदान

प्रतिशत सहित अन्य जानकारियां लोगों ने लाइव देखीं। सागर जिले में मतदान का प्रतिशत 74.61 रहा। सागर जिले के जनपद पंचायत जैसीनगर की ग्राम पंचायत अगरा, औरिया, जनपद पंचायत खुरई की ग्राम पंचायत मुहासा और जनपद पंचायत राहतगढ़ की ग्राम पंचायत सेमरा-लहरिया के मतदान केन्द्रों में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम से मतदान कराया गया। मतदाताओं ने पेपरलेस मतदान प्रक्रिया को बहुत अच्छा कदम बताया और कहा कि वोट डालने में कम समय लगा और आसानी से वोट डाल सके। आईपीबीएमएस क्रिया के पर्यवेक्षण के लिये राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव डॉ. सुतेश शाक्य और मुकुल गुप्ता के नेतृत्व में टीम भी गठित की गई थी। उप सचिव संजू कुमारी ने पूरी प्रक्रिया का सतत् पर्यवेक्षण कर जरूरी मार्गदर्शन दिया। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पेपरलेस बूथ की नवीन पहल की गई है। इस प्रक्रिया में मतदान केन्द्रों में मतदाता और मतदानकर्मियों द्वारा किये जाने वाला पूरा काम डिजिटल माध्यम से किया जाता है।

बच्चों को वितरित की साइकिल

तेंदूखेड़ा। ब्लॉक के खमरिया अजीतपुर के शासकीय हाईस्कूल में साइकिल वितरण कार्यक्रम में कक्षा नवमी के छात्र छात्राओं को निशुल्क 40 साइकिल वितरण की गई। इस दौरान ग्राम पंचायत खमरिया कला के सरपंच मालक सिंह यादव ने छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण की। उन्होंने कहा कि यह योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। साइकिल मिलने से छात्र छात्राओं को विद्यालय आने जाने में सुविधा होगी छात्र-छात्राएं बिना किसी चिंता के अपनी पढ़ाई दूरी की वजह से नहीं छोड़ेंगे और अपने भविष्य को मजबूत करते हुए सपनों को साकार करेंगे। इस दौरान प्राचार्य लखन सिंह ठाकुर शिक्षक दामोदर नामदेव शिक्षक रामकुमार परस्ते शिक्षक रमाकांत धुर्वे एवं छात्र छात्राएं व शिक्षक मौजूद थे।

कलेक्टर ने दी आर्थिक सहायता

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए आर्थिक रूप से असहाय किडनी रोगी को तत्काल सहायता प्रदान की है। ग्राम हिनोतिया, तहसील व जिला गुना निवासी बब्लू प्रजापति, पुत्र दशरथ सिंह ने अपने उपचार हेतु आर्थिक मदद के लिए कलेक्टर को आवेदन दिया। इस आवेदन में उन्होंने बताया कि उनकी दोनों किडनी खराब हो चुकी हैं और गुना एवं भोपाल के अस्पतालों में कराई गई । जांच में यह पुष्टि हुई है। किडनी रोग योजना के अंतर्गत केवल 0 से 15 वर्ष तक के बच्चों का इलाज किया जाता है।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए कोचिंग

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में शिक्षा के स्तर में सुधार लाने एवं क्षेत्र के बच्चों को नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित कराने और उनके मानसिक विकास के लिए जबेरा 56 विधायक एवं प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी ने अपनी ओर सेअच्छी पहल की है। इस महत्वपूर्ण पहल के लिए उन्होंने क्षेत्र बच्चों के अभिभावकों एवं लोगो द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की जा रही है। उन्होंने अपने क्षेत्र की शिक्षा में सुधार लाने के लिए अपने अनुज सत्येंद्र सिंह को जिम्मेदारी सौंपी है। उनके द्वारा विधानसभा में अनेक जगह निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई।

ऑटो चालक के पेट में चाकू घोंप कर हत्या, गुस्साए परिजनों ने शव सड़क पर रखकर किया चक्काजाम

सागर। दोपहर मेट्रो

मोतीनगर थाना क्षेत्र में एक ऑटो चालक की बीती रात चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मोतीनगर थाना तहत भोपाल रोड पर ऑटो चालक शमीम का कुछ युवकों से विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने ऑटो चालक के पेट में चाकू घोंप दिया। गंभीर रूप से घायल शमीम लड़खड़ाते हुए थाने तक पहुंचा। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मोतीनगर थाना क्षेत्र में सनसनीखेज घटना के बाद परिजनों ने राहतगढ़ बस स्टैंड के पास शव रखकर चक्काजाम किया। पोस्टमार्टम के बाद 2 बजे परिजन शव लेकर राहतगढ़ बस स्टैंड के पास पहुंचे और समाज के लोगों के साथ मिलकर चक्काजाम कर दिया। आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, उनके मकानों का सीमांकन और मृतक के परिजनों की आर्थिक मदद की मांग को लेकर लोग करीब दो घंटे तक सड़क पर बैठे रहे। बस स्टैंड के पास चक्काजाम होने से दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई। मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद शाम करीब 4 बजे बमुश्किल लोग सड़क से हटे। पुलिस के अनुसार आंबेडकर वार्ड निवासी ऑटो चालक नन्नू उर्फ शमीम पिता शरीफ बहना 24 साल रविवार रात करीब 12 बजे मोतीनगर चौराहे के पास भोपाल रोड पर पैदल जा रहा था तभी उसका दो युवकों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इस पर आरोपियों ने शमीम पर चाकू से हमला कर दिया और आरोपी उसे जमीन पर पड़ा छोड़कर वहां से भाग गए।

निरीक्षकों एवं उप निरीक्षकों के तबादले

सागर। जिले के थानों में पदस्थ निरीक्षकों व उप निरीक्षकों के तबादले किए गए। जानकारी के मुताबिक निरीक्षक योगेन्द्र सिंह दांगी थाना बांदरी से थाना खुरई शहर । निरीक्षक सुमेर सिंह जाटव रक्षित केन्द्र सागर (डीबी शाखा) से थाना बांदरी, उप निरीक्षक मनीषा तिवारी - थाना सिविल लाइन से चौकी ढाना थाना सुरखी उप.निरी. प्रतिमा मिश्रा - चौकी ढाना थाना सुरखी से थाना खुरई, शह र उप.निरी. राजेश शर्मा - चौकी शाहपुर थाना सानौधा से थाना मकरोनिया, उप.निरी. शिवम दुबे - रक्षित केन्द्र सागर से थाना मोतीनगर, उप.निरी. भागचंद उइके - रक्षित केन्द्र सागर से थाना देवरी उप.निरी. अशोक उपाध्याय - चौकी बरा थाना बण्डा से चौकी शाहपुर थाना सानौधा में पदस्थ किए हैं।

सरकारी अस्पतालों के गेट पर चस्पा करना होगी डॉक्टर्स के नाम व उनके फोन नंबर की सूची

सागर। सरकारी अस्पतालों की अव्यवस्थाओं में सुधार के लिए कलेक्टर संदीप जीआर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर्स की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यदि किसी अस्पताल में डॉक्टर या वहां पदस्थ स्टाफ अनुपस्थित पाया जाए तो उसके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करें। इसके अलावा सभी शासकीय चिकित्सालयों में डॉक्टर के नाम व उनके फोन नंबर की सूची तैयार कर विभाग को अस्पताल के मुख्य गेट पर चस्पा करना होगी। कलेक्टर ने कहा कि निरीक्षण के दौरान यह देखने में आया है कि संजीवनी क्लिनिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ समय पर उपस्थित नहीं होते हैं। जिससे अस्पतालों में इलाज कराने पहुंच रहे आमजन का स्वास्थ्य परीक्षण समय पर नहीं हो पाता है। इसलिए जरूरी है कि अस्पतालों के मुख्य गेट पर पैरामेडिकल स्टाफ के नाम और उनके फोन नंबर अंकित कराए जाएं। ऐसा करने से अनुस्थित संबंधित को व्यक्ति से फोन पर बात कर उनकी अनुपस्थिति की जानकारी ली जा सके।

मेट्रो एंकर | लगातार एक माह से टाइगर रिजर्व में वैज्ञानिकों चकमा दे रहे हैं ग्रे वुल्फ

रिसर्च के लिए भेड़ियों को रेडियो कॉलर पहनाना बड़ी चुनौती

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा!

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में मप्र राज्य वन अनुसंधान संस्थान एसएफआरआई की रिसर्च टीम पिछले एक माह से ग्रे वुल्फ यानि भेड़ियों को रेडियो कॉलर पहनाने के लिए भटक रही है। भेड़िए तमाम तिकड़मों को मात देकर वैज्ञानिकों को चकमा दे रहे हैं। यहां पाए जाने वाले ग्रे वुल्फ भी अपनी विशेष प्रजाति के चलते दुर्लभ और खास हैं। इस वजह से वाइल्ड लाइफ वैज्ञानिक इन पर अनुसंधान कर रहे हैं। इसके लिए एनटीसीए यानी नेशनल टाइगर कंजर्वेशन ऑथरिटी भी अनुमति दे चुकी है। इसी अनुमति के आधार पर जबलपुर स्थित राज्य वन व वन्यजीव अनुसंधान संस्थान ने भेड़ियों पर रिसर्च प्रोग्राम तैयार किया है। इसके लिए वाइल्ड लाइफ वैज्ञानिकों की टीम भी बनाई गई है। जो भेड़ियों के व्यवहार को समझेगी। जिसके लिए रेडियो कॉलर पहनाना अनिवार्य है।

इसके लिए बीते एक माह से वैज्ञानिक और वनकर्मियों की टीम जंगल में भेड़ियों के विचरण क्षेत्र चिन्हित कर पिंजरे लगा रही है। भेड़िया को जंगल का सबसे चालाक वन्य प्राणी माना जाता है। वह मानवीय इरादों को भांपने की क्षमता रखते हैं। जिसे पिछले एक माह से वैज्ञानिक समझ रहे हैं। भेड़ियों को फांसने के लिए पिंजरों के पास उनका पसंदीदा मांस व मृत जीवों को रखा जा रहा है, लेकिन भेड़िए पिंजरे में बगैर फंसे मांस उठाकर रफूचक्कर हो रहे हैं। जिससे अभी तक रेडियो कॉलर पहनाने एक भी भेड़िया पकड़ में नहीं आया है।

जंगल का दूसरा सफाई कर्मी है भेड़िया

जंगल के पहले सफाईकर्मी गिद्ध हैं, तो दूसरा सफाई कर्मी भेड़िया माना जाता है। जो छोटे वन्य प्राणियों का शिकार करता है। इसे एक सफाईकर्मी की भूमिका के रूप में भी देखा जाता है। जिस तरह शेर, बाघ, तेंदुआ और बिल्ली कैट फैमिली कहलाती है। उसी तरह भेड़िया वन्यजीवों की कैनिडाई फैमिली में शामिल है। इसमें भेड़िया के अलावा सियार, लोमड़ी और जंगली कुत्ता आते हैं।

भेड़ियों पर अध्ययन कर रहा दल

टाइगर रिजर्व के डिप्टी फील्ड डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी ने बताया कि वैज्ञानिकों का दल भेड़ियों पर अध्ययन कर रहा है। इनकी सटीक जानकारी के लिए इन्हें रेडियो कॉलर पहनाई जानी है, लेकिन एक भी भेड़िया अभी तक पकड़ में नहीं आया है। जिससे इन पर आगे के अनुसंधान में समय लग रहा है।

मैनचेस्टर में जो रच सकते हैं इतिहास

खतरे में राहुल द्रविड़-रिकी पोंटिंग और जैक्स कैलिस का रिकॉर्ड

नई दिल्ली,, एजेंसी

इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट इस समय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनके पास अब दूसरे स्थान तक पहुंचने का सुनहरा मौका है। यह अवसर उन्हें आज से भारत के खिलाफ मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में मिलेगा।

फिलहाल रिकी पोंटिंग, जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट को द्रविड़ और कैलिस को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 31 रन चाहिए, जबकि पोंटिंग को पछाड़कर दूसरे नंबर पर आने के लिए कुल 120 रन बनाने होंगे। हालांकि वह अब भी सचिन तेंदुलकर के 15921 टेस्ट रन के ऑल-टाइम रिकॉर्ड से 2663 रन पीछे हैं, लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए रूट इस टेस्ट में कई मील के पत्थर छू सकते हैं।

जो रूट का मैनचेस्टर में शानदार रिकॉर्ड- रूट का ओल्ड ट्रैफर्ड में रिकॉर्ड भी शानदार है। उन्होंने यहां 11 मैचों में 65.20 की औसत से 978 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं।

टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन

सचिन तेंदुलकर (भारत) - 15,921 रन (200 मैच)
रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - 13,378 रन (168 मैच)
जैक्स कैलिस (द. अफ्रीका) - 13,289 रन (166 मैच)
राहुल द्रविड़ (भारत) - 13,288 रन (164 मैच)
जो रूट (इंग्लैंड) - 13,259 रन (156 मैच)

रैंकिंग में फिर नंबर 1 बने रूट

रूट ने हाल ही में आईसीसी टेस्ट बल्लेबाज़ी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान फिर से हासिल कर लिया है। उन्होंने कुछ समय के लिए यह स्थान हैरी ब्रुक को गंवा दिया था, लेकिन लॉर्ड्स टेस्ट में शानदार 104 और फिर 40 रनों की पारी के बाद उन्होंने टॉप रैंकिंग पर वापसी की। इसी टेस्ट में उनके 37वें टेस्ट शतक ने उन्हें राहुल द्रविड़ से आगे निकालते हुए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया। इसके अलावा, रूट अब केवल चौथे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने नंबर 4 पर बल्लेबाज़ी करते हुए 8000 से ज्यादा रन बनाए हैं, बाकी तीन नाम हैं-सचिन तेंदुलकर, महेला जयवर्धने, और जैक्स कैलिस।

भारत बनाम इंग्लैंड चौथा टेस्ट आज से, पिछली हार और चोटों से जूझती टीम इंडिया वापसी के लिए तैयार

ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली जीत की तलाश में टीम इंडिया, बारिश बनी चिंता की वजह

मैनचेस्टर, एजेंसी

टीम इंडिया इस मैच में न सिर्फ मैनचेस्टर में पहली जीत की तलाश में है, बल्कि सीरीज में बने रहने के लिए भी उसे यह मुकाबला जीतना जरूरी है। बारिश की आशंका और खिलाड़ी चोटिल, लेकिन इरादों में कोई कमी नहीं।

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ आज से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट में वापसी की पूरी कोशिश करेगी। पिछले मैच में हार और कुछ अहम खिलाड़ियों के चोटिल हो जाने के बावजूद टीम का इरादा ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली बार जीत हासिल करने का है।

चोटों ने बिगाड़ी रणनीति, नितीश रेड्डी हुए बाहर- लीड्स टेस्ट के बाद टीम इंडिया ने तीन ऑलराउंडर के फॉर्मूले को अपनाया था, जिसमें नितीश रेड्डी की भूमिका अहम रही। लेकिन उनकी घुटने की चोट ने टीम को बड़ा झटका दिया है। उनके स्थान पर शार्दुल ठाकुर की वापसी संभव है, हालांकि उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की आवश्यकता है।

स्पिन विकल्प सीमित, संयोजन में बदलाव की संभावना- रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे स्पिन ऑलराउंडर की मौजूदगी से टीम को आठवें नंबर तक बल्लेबाजी का विकल्प मिला था, लेकिन मैनचेस्टर की परिस्थितियों में शायद यह रणनीति काम न आए। यहां भारत ने 9 टेस्ट खेले हैं लेकिन अब तक एक भी नहीं जीता- चार में हार और पांच ड्रॉ रहे हैं।

लीड्स संयोजन हो सकता है फिर से

करुण नायर और साई सुदर्शन की मौजूदगी वाला लीड्स का बल्लेबाजी संयोजन दोबारा देखा जा सकता है। वहीं तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा भी प्लेइंग में जगह पाने की दौड़ में हैं, खासकर अगर आकाश दीप पूरी तरह फिट नहीं हुए तो।

बुमराह-सिराज तय

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का खेलना तय माना जा रहा है। बल्लेबाजी में शुभमन गिल, केएल राहुल, और यशस्वी जायसवाल की जिम्मेदारी होगी। गिल अब तक 600 से अधिक रन बना चुके हैं लेकिन पिछले मैच में विफल रहे।

हर हाल में चाहिए जीत

इंग्लैंड फिलहाल सीरीज में 2-1 से आगे है। अगर भारत को सीरीज में वापसी करनी है, तो चौथा टेस्ट जीतना जरूरी है। यह मैच निर्णायक साबित हो सकता है। अभ्यास सत्र के अनुसार, ऋषभ पंत अब फिट हैं और विकेटकीपिंग के साथ-साथ बल्लेबाजी की दोहरी भूमिका निभाएंगे। करुण नायर भी एक और मौके के इंतजार में हैं ताकि अपनी शुरूआत को बड़ी पारी में बदल सकें।

बारिश डाल सकती है रोड़ा

पिछले सप्ताह से मैनचेस्टर में लगातार बारिश हो रही है। पांचों दिन हल्की बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है और खेल प्रभावित होने की आशंका भी है।

संभावित टीमें-

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

इंग्लैंड: जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (उप-कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), लियाम डॉसन, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

फिडे महिला विश्वकप शतरंज

टाईब्रेकर में जीत से दिव्या सेमीफाइनल में, हमवतन हरिका को दी करारी मात

नई दिल्ली,, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। उन्होंने टाईब्रेकर में हमवतन द्रोणावल्ली हरिका को हराया। 19 साल की दिव्या ने टाईब्रेकर की पहली बाजी सफेद मोहरों से, जबकि दूसरी बाजी काले मोहरों से जीतीं। दोनों के बीच क्लासिकल प्रारूप की बाजियां बराबरी पर छूटी थीं। दिव्या पहली बार विश्वकप में खेल रही हैं। दिव्या से पहले 37 वर्षीय कोनेरू हंपी भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। दिव्या की सेमीफाइनल में चीन की तान जोंगयी से और हंपी की चीन की ही ली टिंग जी से टक्कर होगी।

शीर्ष तीन को मिलेगा कैंडिडेट्स का टिकट - यह पहली बार है जब दो भारतीय खिलाड़ियों ने विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। हंपी और दिव्या के पास कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का बेहतरीन मौका है। शीर्ष तीन खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश मिलना है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का विजेता विश्व चैंपियन को चुनौती देता है।

विश्व युवा चैंपियन रही हैं दिव्या

नौ दिसंबर 2005 को नागपुर में जन्मीं दिव्या ने पांच साल की उम्र से शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उनके माता-पिता डॉक्टर हैं। उनके पिता का नाम जितेंद्र और माता का नाम नम्रता है। दिव्या ने 2012 में सात साल की उम्र में अंडर-7 नेशनल चैंपियनशिप जीती। इसके बाद उन्होंने अंडर-10 (डरबन, 2014) और अंडर-12 (ब्राजील, 2017) कैटेगरी में विश्व युवा खिताब भी जीते। इसके बाद 2014 में डरबन में आयोजित अंडर-10 वर्ल्ड यूथ टाइटल और 2017 में ब्राजील में अंडर-12 कैटेगरी में भी खिताब अपने नाम किए।

मंधाना एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष व दीप्ति 23वें पायदान पर

दुबई । इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत की दीप्ति शर्मा बल्लेबाजों में 10 स्थानों की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों को इस रैंकिंग में फायदा हुआ है। दीप्ति ने शुरुआती एकदिवसीय में नाबाद 62 रन की पारी के साथ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। उन्होंने इसके बाद दूसरे एकदिवसीय में भी नाबाद 30 रन का योगदान दिया। सोफिया डंकले ने पहले वनडे में 92 गेंदों पर 83 रन बनाकर इंग्लैंड को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें 24 स्थानों का फायदा हुआ। वह बल्लेबाजों की सूची में 52वें पायदान पहुंच गईं। मंधाना पहले दो मैचों में 28 और 42 के स्कोर के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं और उन्होंने अपनी 727 की रेटिंग भी बरकरार रखी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 और सात के स्कोर के बाद पांच स्थान फिसलकर 21वें स्थान पर आ गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज सोफी एक्लेस्टोन अपनी स्थिति और मजबूत करने में सफल रही।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

प्यार में मिला धोखा, ब्रेकअप के बाद गर्लफ्रेंड से हुई नफरत? एक्टर बोला- हम पहले से तैयार थे

टीवी स्टार्स अभिषेक कुमार और ईशा मालवीय एक समय पर एक दूजे से बेपनाह मोहब्बत करते थे। मगर बदलते वक्त के साथ दोनों का रिश्ता भी बदल गया। ईशा और अभिषेक के रिश्ते में दरार आ गई और फिर दोनों ब्रेकअप करके अलग हो गए। क्रबिग बॉस-17 में भी ईशा-अभिषेक के लव-हेट रिलेशनशिप ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। बिग बॉस 17 में जब अभिषेक को पता चला था कि ईशा एक्टर समर्थ जुरेल संग रिश्ते में हैं, तो वो बुरी तरह टूट गए थे। हालांकि, शो खत्म होने के बाद ईशा का समर्थ से भी ब्रेकअप हो गया था। क्रबिग बॉसक्र के बाद ईशा और अभिषेक कभी साथ नहीं दिखे। मगर हाल ही में क्रलाफ्टर शेफ 2 के सेट पर ईशा गेस्ट बनकर पहुंचीं, जहां उनकी दोनों एक्स बॉयफ्रेंड्स अभिषेक और समर्थ से मुलाकात हुई। अब अभिषेक ने एक्स गर्लफ्रेंड ईशा संग अपनी मुलाकात पर रिएक्ट किया है। ईशा संग अपने रीयूनियन पर अभिषेक बोले- वो बहुत अच्छा मोमेंट था। मैंने खुद से उनसे बात करने की शुरुआत की थी। कृष्णा भाई हमें ईशा के पॉपुलर गाने पर डांस करने के लिए उनके सामने ले गए थे। वो गाना कितना वायरल हो गया है। वो बहुत अच्छा काम कर रही हैं। मुझे लगता है कि हर कोई अपनी जगह पर अच्छा ही काम कर रहा है। अभिषेक आगे बोले- शायद ऐसा लगता होगा कि हम एक दूसरे से नफरत करते हैं। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है। कोई किसी से नफरत नहीं करता है। हम लोग किसी न किसी तरह से एक दूसरे से कनेक्टेड हैं।

मेट्रो बाजार

ईपीएफओ ने बनाया नया रिकॉर्ड मई में जुड़े 20.06 लाख नए सदस्य

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मई 2025 में पेरोल डेटा के इतिहास में नया रिकॉर्ड बना दिया है। इस महीने कुल 20.06 लाख नए सदस्य ईपीएफओ से जुड़े, जो अप्रैल 2018 में पेरोल डेटा ट्रैकिंग की शुरूआत के बाद से अब तक की सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है। यह आंकड़ा अप्रैल 2025 की तुलना में 4.79प्रतिशत और मई 2024 की तुलना में 2.84 प्रतिशत अधिक है।

औपचारिक रोजगार में आई मजबूती- इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि भारत में औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है और साथ ही सामाजिक सुरक्षा और कर्मचारी लाभों के प्रति लोगों में जागरूकता भी बढ़ रही है।

युवाओं की भागीदारी में जोरदार उछाल- मई 2025 में लगभग 9.42 लाख नए युवा ईपीएफओ से जुड़े, जो अप्रैल की तुलना में 11.04प्रतिशत अधिक है। इनमें 18 से 25 वर्ष की उम्र के 5.60 लाख सदस्य शामिल हैं- जो कुल नए सदस्यों का 59.48प्रतिशत है। यह इस बात का संकेत है कि बड़ी संख्या में युवा पहली बार औपचारिक क्षेत्र की नौकरियों से जुड़ रहे हैं।

महिलाओं की भागीदारी में भी बढ़ोतरी- मई में 2.62 लाख नई महिला सदस्य ईपीएफओ से जुड़ीं, जो अप्रैल से 7.08प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में 5.84प्रतिशत अधिक है। यह कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने और कंपनियों द्वारा महिला कर्मचारियों को प्राथमिकता देने का संकेत है।

सैयारा देख रो पड़ी ऑडियन्स, थिएटर में बेहोश हुई लड़की, चीखने-चिल्लाने लगा था युवक

अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म सैयारा बॉक्स ऑफिस पर बेहद चर्चित फिल्म बन गई है। इसका क्रेज पूरे भारत में फैला हुआ है। रिलीज होते ही फिल्म ने बड़ी धमाल मचाई, पहले चार दिनों में ही इसने 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली। जो किसी रोमांटिक फिल्म के लिए इतने कम समय में सबसे ज्यादा कलेक्शन है। नए ऐक्टर्स अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी, मोहित सूरी के दिशा-निर्देशन और यश राज फिल्म्स के बैनर ने दर्शकों को बहुत पसंद आई है। फिल्म का क्रेज इस कदर है कि चाहने वाले थियेटर्स में आंसू भर-भर रो रहे हैं। फिल्म की कमाई के आंकड़े और दर्शकों के रिस्पॉन्स ने क्रिटिक्स तक को पानी पिला दिया है। साफ है कि एक्शन और मासी फिल्मों की भरमार के बीच दर्शकों को ऐसी किसी रोमांटिक फिल्म का लंबे समय से इंतजार था। देशभर से तरह-तरह के वीडियोज सामने आ रहे हैं। फिल्म का बज इस कदर हो गया है कि ना सिर्फ लोग थियेटर में गानों पर नाच रहे हैं, बल्कि खूब आंसू बहा रहे हैं। वहीं कई सिनेमा फैंस तो आईवी ड्रिप तक लगाकर फिल्म देखने जा रहे हैं। इतना ही नहीं कई विजुअल्स ऐसे आए, जहां फिल्म देखने के बाद लोग ट्रॉमा में चले गए। एक वीडियो वायरल हो रहा है जहां एक लड़की फिल्म देखने के बाद बेहोश हो गई। लड़की जमीन पर पड़ी है, आसपास लोग घेरा बनाए उसे जगाने की कोशिश कर रहे हैं।

भरे थियेटर में क्यों चीखने लगा युवक?

इससे पहले एक और वीडियो वायरल हुआ था जहां एक पुरुष दर्शक फिल्म देखते-देखते अचानक चीखने-चिल्लाने लगा, छाती पीटने लगा और फिर बेहोश होकर गिर पड़ा। ये वीडियो किस शहर या थिएटर का है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। लेकिन इस घटना ने लोगों को हैरान कर दिया है। क्योंकि किसी ने ऐसा तेज-तर्रार इमोशनल रिएक्शन अभी तक देखा ही नहीं था। इसके अलावा भी एक ऐसा दीवानगी भरा वीडियो सामने आया था, जहां युवक अपनी सेहत भूल फिल्म देखने पहुंच गया।

इनकम टैक्स बिल 2025 लोकसभा में पेश छोटे टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत की तैयारी

नई दिल्ली। इनकम टैक्स कानून को सरल, पारदर्शी और आम लोगों के लिए सुगम बनाने के उद्देश्य से इनकम टैक्स बिल 2025 को लोकसभा में पेश किया गया है। यह बिल भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति की सिफारिशों पर आधारित है, जिसमें आम करदाताओं, खासकर टैक्स फ्री इनकम वालों के लिए कई अहम बदलाव सुझाए गए हैं।

क्या है सबसे बड़ा बदलाव?- बिल में सिफारिश की गई है कि जिनकी आय टैक्स के दायरे में नहीं आती लेकिन जिनका टीडीएस काटा गया है, उन्हें सिर्फ रिफंड पाने के लिए समय सीमा में आईटीआर दाखिल करने की बाध्यता से छूट दी जाए। साथ ही, ऐसे मामलों में लेट फाइलिंग पर जुर्माना नहीं लगाने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

धार्मिक-चैरिटेबल ट्रस्ट को राहत- प्रवर समिति ने यह भी सुझाव दिया है कि धार्मिक व चैरिटेबल ट्रस्टों को मिलने वाले गुमनाम दान पर 30व टैक्स नहीं लगाया जाए। समिति के अनुसार, कई बार दानदाता की जानकारी मिलना संभव नहीं होता और ट्रस्ट दोनों तरह की सेवा में लगे होते हैं - धार्मिक और सामाजिक।

अन्य प्रमुख सिफारिशें- 'गैर-लाभकारी संगठनों पर उनकी कुल आय के बजाय केवल नेट इनकम पर टैक्स लगाया जाए। 'माइक्रो और स्मॉल इंटरप्राइजेज की परिभाषा को टैक्स छूट के लिए सरल बनाया जाए। 'मकान से आय, कैपिटल एसेट्स, और इंफ्रास्ट्रक्चर कैपिटल कंपनियों की परिभाषा स्पष्ट की जाए।

टेटवाल ने वीरगति प्राप्त जवान नागर को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने जम्मू-कश्मीर में देशसेवा के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए राजगढ़ जिले के ग्राम टूटियाहेड़ी निवासी भारतीय सेना के जवान हरिओम नागर को मंगलवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। मंत्री टेटवाल ने स्व. नागर की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिजन से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि हरिओम नागर जैसे साहसी और राष्ट्रनिष्ठ सपूतों के कारण ही भारत की आत्मा जीवित रहती है। उनका बलिदान समूचे राष्ट्र का गौरव है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। राज्य सरकार शहीद के परिवार के साथ हर कदम पर खड़ी है। शहीद हरिओम नागर की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिये गांव में उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। ग्राम टूटियाहेड़ी में सेना की टुकड़ी द्वारा सैन्य परंपराओं के अनुसार शहीद नागर को अंतिम सलामी दी गई। तिरंगे में लिपटी पार्थिव देह को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस अवसर पर सांसद रोडमल नागर, विधायक अमर सिंह, ज्ञानसिंह गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और हजारों ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कलियासोत डैम की सीवेज लाइन में डूबने से युवक की मौत

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित कलियासोत डैम की सीवेज लाइन में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मंगलवार दोपहर चार दोस्त मछली पकडऩे डैम पर पहुंचे थे। उसी दौरान दो दोस्त नहाने के लिए पानी में उतर गए। गहरे पानी में जाने एक युवक डूब गया जबकि किसी तरह दूसरा युवक पानी से बाहर आ गया। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव पानी से बाहर निकाला। मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। पुलिस के मुताबिक राहुल नगर निवासी शुभम महाजन पुत्र बसंत महाजन (25) प्राइवेट काम करते थे। मंगलवार दोपहर वह अपने तीन दोस्तों के साथ मछली पकडऩे कलियासोत डैम गया था। वहां सीवेज लाइन के पास मछली पकड़ते समय शुभम अपने एक दोस्त के साथ नहाने के लिए पानी में उतर गया। गहरे पानी में जाने से दोनों डूबने लगे। लेकिन किसी तरह एक युवक पानी से बाहर आ गया जबकि शुभम की डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला।

पुरानी रंजिश पर युवक के सीने व पेट में मारी छुरी

भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित पीसी नगर 12 नंबर मल्टी के पास सोमवार शाम पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक के पेट में छुरी मार दी। छुरी का दूसरा वार उसने सीने पर किया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हत्या का प्रयास की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक 12 नंबर मल्टी हबीबगंज निवासी रमजान अली (22) प्राइवेट काम करता है। मल्टी में रहने वाले ध्रुव कनाडे से उसका पुराना विवाद चल रहा है। सोमवार शाम करीब साढ़े 6 बजे दोनों का आमना-सामना हो गया। ध्रुव कनाडे ने गाली-गलौज करते हुए रमजान अली पर छुरी से प्राणघातक हमला कर दिया। पेट में छुरी का गहरा घाव लगा है जबकि सीने पर लगे घाव मामूली बताया जा रहा है। एएसआई सुधाकर शर्मा का कहना है कि आरोपी ध्रुव को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसका कोई पुराना रिकार्ड नहीं निकला है।

गल्ले से 75 हजार और कार ले भागा नौकर

भोपाल। घोड़ानक्कास स्थित शिव शंभू भोजनालय का कर्मचारी सोमवार को भोजनालय के गल्ले से 75 हजार रुपए नगद और कार लेकर फरार हो गया। भोजनालय के संचालक ने कर्मचारी के खिलाफ चोरी का नामजद प्रकरण हनुमानगंज थाने में दर्ज कराया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी कर्मचारी का वेतन को लेकर फरियादी से विवाद हुआ था। पुलिस के मुताबिक फरियादी रमेश कुमार घोड़ानक्कास स्थित शिव शंभू भोजनालय के मालिक हैं। उन्होंने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि होटल में काम करने वाले कर्मचारी गौतम उर्फ चन्द्रभान से वेतन को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद गौतम उर्फ चन्द्रभान होटल के गल्ले में रखे 75 हजार रुपए और उनके भाई की लॉज के सामने खड़ी उनकी कार क्रमांक एमपी 04 सीपी 8181 चोरी कर ले गया। फरियादी का कहना है कि भोजनालय में काम करने वाले नौकर भोजनालय में ही सोते हैं।

क्राइम ब्रांच ने कस्तूरबा अस्पताल के पास सब्जी मंडी शेड से किया गिरफ्तार

महिला समेत 2 तस्करों से 4 किलो गांजा बरामद, अब तक दो क्विंटल की जब्ती

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। क्राइम ब्रांच पुलिस ने कस्तूरबा अस्पताल के पास सब्जी मंडी इलाके से महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर करीब 4 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की कीमत 86 हजार रुपए बताई जा रहा है। दोनों आरोपी तस्कर मूलरूप से सागर जिले के रहने वाले हैं और यहां सूखी सेवनिया इलाके में रहकर मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे थे। शुरूआती जांच में पता चला है कि आरोपी उड़ीसा से अवैध गांजा लाकर महंगे दाम में लोगों को बेचते थे। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक सूचना मिली कि कस्तूरबा अस्पताल के सामने सब्जी मंडी शेड में एक महिला और एक लडका बैठा है। उनके पास प्लास्टिक के थैले में गांजा रखा है। वे लोग गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर महिला और लडके को हिरासत में ले लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम ज्योति कुचबंदिया पत्नी विनोद कुचबंदिया (40) व पंकज कुचबंदिया (19) दोनों निवासी पावर हाउस के पास मेन रोड सूखी सेवनिया का होना बताया। दोनों आरोपी मूलरूप से ग्राम गिरवर सजली थाना सनोदा जिला सागर के रहने वाले हैं। उनके पास मिले प्लास्टिक के थैले की तलाशी लेने पर दो बंडलों में रखा 4 किलो 316 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने सस्ते दाम में गांजा लाकर महंगे दाम में बेचने की जानकारी दी। आरोपियों से उनके नेटवर्क के बारे में पूछताछ की

उड़ीसा के तस्कर से 9 किलो अवैध गांजा बरामद, ट्रेन मार्ग से भोपाल आया था

उधर क्राइम ब्रांच पुलिस ने टीआरटी गोविंदपुरा इलाके से उड़ीसा के मादक पदार्थों के कुख्यात तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 8 किलो 830 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी उड़ीसा से ट्रेन मार्ग से मादक पदार्थ भोपाल लेकर आया था। उसे पता चला था कि भोपाल मादक पदार्थों की मंडी बना हुआ है और वहां गांजा महंगे दामों में बिक जाएगा। पुलिस ने नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि अग्रवाल स्वीट के पास टीआरटी गोविंदपुरा रोड किनारे एक लडका खड़ा है और उसके पास रखे थैले में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा है और बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर लडके को हिरासत में ले लिया। उसने अपना नाम साजन नायक (28) निवासी मुंडा साही बालिगुड़ा थाना बालीगुड़ा जिला कंधमाल उड़ीसा का होना बताया। संदेही के पास मिले थैले की तलाशी लेने पर उसमें रखा 8 किलो 830 ग्राम गांजा रखा मिला। आरोपी ने कुबूल किया कि वह उड़ीसा से अवैध गांजा लाकर यहां बेचने की फिराक में था। आरोपी का कहना है कि ट्रेन मार्ग से उड़ीसा से भोपाल आया था। क्राइम ब्रांच ने आरोपी से पूछताछ कर उसका नेटवर्क खंगालना शुरू कर दिया है।

सरेराह लूटपाट करने वाले बोलेरो सवार युवकों का नहीं लगा सुराग

भोपाल। होशंगाबाद रोड स्थित ग्यारह मील के पास स्कूटर सवार युवक को टक्कर मारने के बाद बैग में रखे 3800 रुपए लूटने वाले बोलेरो सवार आरोपियों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। आरोपी शराब ठेकेदार के गुर्गे बताए गए हैं। घटना मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे उस वक्त हुई, जब युवक मंडीदीप से भोपाल लौट रहा था। आरोपियों ने शराब तस्करी के शक में इस वारदात को अंजाम दिया था। जानकारी के अनुसार रितिक कुशवाह (19) जहांगीराबाद में रहता है और एक निजी कंपनी में डिलेवरी ब्वाय का काम करता है। मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी स्कूटर से मंडीदीप से भोपाल लौट रहा था। मिसरोद स्थित ग्यारह मील ब्रिज के ऊपर पहुंचने पर सफेद रंग की एक बोलेरो गाड़ी के चालक ने बगल से टक्कर मार दिया, जिससे वह स्कूटर समेत गिरकर घायल हो गया। उसी दौरान बोलेरो गाड़ी से तीन-चार लड़के उतरे और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। रितिक ने जब कारण पूछा तो मारपीट करने वालों ने खुद को शराब दुकान का आदमी बताते हुए अवैध शराब लेकर जाने का आरोप लगाने लगे। रितिक ने जब बताया कि उसके पास कोई शराब नहीं है, तो युवकों ने उसका बैग छीन लिया और चैक करने के बाद बैग में रखे 3800 रुपए निकाल लिए।

सायबर पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर सायबर अपराधियों की शुरू की खोजबीन

शेयर ट्रेडिंग में मोटा प्राफिट का झांसा देकर कारोबारी से 80 लाख की ठगी: एफआईआर

ट्रेडिंग साइट पर लाखों का प्रॉफिट दिखाते रहे आरोपी, लेकिन रकम नहीं निकाल सके फरियादी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शेयर ट्रेडिंग में मोटा प्रॉफिट देने का प्रलोभन लेकर राजधानी के एक कारोबारी से 80 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। साइबर अपराधियों ने व्हाट्सएप ग्रुप पर लिंक भेजकर फरियादी से यूजर आईडी बनवाई और फिर ट्रेडिंग के पैसा जमा कराया। ट्रेडिंग साइट पर लाखों रुपए का प्राफिट दिखता रहा लेकिन फरियादी अपनी रकम नहीं निकाल सके। क्राइम ब्रांच की सायबर सेल ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक दानिश नगर होशंगाबाद रोड निवासी मनीष कुमार कारोबारी हैं। विगत 28 नवंबर 2024 को लिखित शिकायत देते हुए बताया कि 21 मई 2024 को तीन अलग-अलग व्हाट्सएप नंबर के माध्यम से व्हाट्सएप ग्रुप स्टॉक मार्केट बेलवेदर ईएस 21 में जोडकर शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा देने का झांसा दिया गया। ग्रुप पर शेयर ट्रेडिंग के बारे में जानकारी दी गई। फिर उसी दिन व्हाट्सएप नंबर से फरियादी के व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज कर शेयर ट्रेडिंग के लिए लिंक शेयर किया। उनसे कहा गया कि आप लिंक पर जाएं और यूजर आईडी बनाकर ट्रेडिंग करें। उन्होंने लिंक के माध्यम से यूजर आईडी बना ली। इसके बाद दूसरे व्हाट्सए ग्रुप पर जोड़ दिया गया। अलग-अलग व्हाट्एप नंबर से हर्षित, रवि और दिया शर्मा ट्रेडिंग करने के लिए प्रेरित करने लगे।

शुरू में दिखाया लाखों रुपए का प्राफिट

फरियादी मनीष ने 29 मई 2024 को दो बार में 25-25 हजार रुपए आरोपियों के बताए बैंक खाते में जमा करा दिए और इसकी जानकारी दिया शर्मा को दी। उनका पैसा ट्रेडिंग साइट पर दिखने लगा। फरियादी ने पैसा उसी साइट पर शेयर में लगा दिया। उसका प्राफिट भी दिखने लगा। इसके बाद आरोपियों ने यह कहते हुए और पैसा लगाने के लिए कहा कि आपको मोटा मुनाफा होगा। तब लालच में आकर मनीष ने सात जून 2024 को पांच लाख 80 हजार और 26 जून 2024 को 10 लाख रुपए ट्रेडिंग साइट पर जमा कर दिए। उनका लाखों रुपए का प्राफिट भी नजर आने लगा था।

पैसा निकालने के लिए 54 लाख जमा करो

प्राफिट दिखने पर फरियादी ने अपने पैसे निकालना चाहे तो हर्षित, रवि व दिया शर्मा ने कहा कि आपको पहले से अधिक आईपीओ मिल गए हैं। जिसके लिए आपका जमा पैसा होल्ड हो गया है। यदि आपको अपना पैसा निकालना है तो जो अधिक आईपीओ मिले हैं, उसका पैसा जमा करना होगा। तभी आप पैसा निकाल पाएंगे। सायबर अपराधियों ने कहा कि आपको 54 लाख रुपए और जमा करना होंगे। फरियादी मनीष ने कहा कि उनके पास इतना पैसा नहीं है। मैं दो किश्तों में जमा कर दूंगा। तब आरोपियों ने एक माह के भीतर पैसा जमा करने के लिए कहा। इसके बाद फरियादी ने दो जुलाई 2024 से पांच अगस्त 2024 तक आरोपियों के बताए अलग-अलग बैंक खातों में क्रमश- सात लाख, तीन लाख, चार लाख 11 हजार, नौ लाख, 21 लाख, 10 लाख और नौ लाख 45 हजार रुपए समेत 63 लाख रुपए से अधिक रुपए जमा कर दिए।

पैसा जमा करने के बाद बंद हो गई साइट

करीब 63 लाख रुपए जमा करने के बाद मनीष ने व्हाट्सएप नंबर पर दिया शर्मा से बात की और कहा कि सारा पैसा जमा करने के बाद भी पैसा साइट से क्यों नहीं निकल रहा है। तो उसने कहा कि 15 अगस्त 2024 तक साइट अपडेट हो रही है। उसके बाद आपका पैसा मिल जाएगा। इसके बाद मनीष बार-बार मैसेज करते रहे लेकिन कोई जवाब नहीं दिया। कुछ दिन बाद 15 अगस्त को साइट खुलना ही बंद हो गई। तब फरियादी मनीष का अहसास हुआ कि उनके साथ 79 लाख 86 हजार रुपए की ठगी हुई है।

एक और पुलिसकर्मी की पत्नी फांसी पर झूली पति से हुआ था विवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमलानगर थाना क्षेत्र स्थित नेहरू नगर पुलिस लाइन में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात प्रधान आरक्षक की पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार तडके पति ने पत्नी को फंदे पर लटका देखा। फौरन उन्हें फंदे से उतारकर जेपी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी का कहना है कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरूआती जांच में पता चला है कि पति-पत्नी के बीच मामूली विवाद हुआ था। उसके बाद सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक प्रधान आरक्षक राजकुमार प्रजापति नेहरू नगर पुलिस लाइन में परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार रात खाना खाने के बाद परिवार के सभी लोग सोने चले गए थे। तडके करीब चार बजे प्रधान आरक्षक की नींद खुली तो उन्होंने पत्नी रेखा प्रजापति (40) को फांसी के फंदे पर लटके देखा। शोर सुनकर पड़ोसी भी मौके पर पहुंच गए। फौरन महिला को फंदे से उतारकर जेपी अस्पताल ले जाया गया लेकिन पूर्व में ही उनकी मौत हो चुकी थी। थाना प्रभारी निरूपा पांडे ने बताया कि रात को पति-पत्नी के बीच मामूली विवाद हुआ था। उसके बाद सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। सुबह करीब चार बजे पति ने पत्नी को फंदे पर लटके देखा। उनके दो बच्चे हैं।

रविवार रात भी हवलदार की पत्नी ने लगाई थी फांसी

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित पशु चिकित्सालय के पास पुलिस क्वार्टर में भी रविवार रात प्रधान आरक्षक दिनेश भदोरिया की पत्नी चांदनी भदोरिया (30) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय पति अपने बच्चों को घुमाने बाहर ले गए थे। जब वे लौटे तो पत्नी को फंदे पर लटका देखा। इस मामले में भी पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला था। मामले की जांच की जा रही है।

झुग्गी में मिला युवक का डिकंपोज शव, जहरीले कीड़े के काटने का अनुमान

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर झुग्गी में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव करीब दो से तीन दिन पुराना होने के कारण डिकंपोज हो चुका?था। शरीर नीला पड़ने से अनुमान है?कि उसे किसी जहरीले कीड़े ने काटा है। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार आकाश पिता बारेलाल (23) आनंद नगर, झुग्गी में रहता?था और प्राइवेट काम करता था। आनंद नगर स्थित गायत्री अस्पताल के पीछे वह अपने पिता के साथ टपरा बनाकर रहता था। मंगलवार सुबह उसकी लाश टपरे में अंदर वाले कमरे में पड़ी मिली। लाश करीब दो तीन दिन पुरानी है। पुलिस की जांच में पता चला की आकाश अपने विक्षिप्त पिता के साथ रहता था। रविवार रात वह आखिरी बार एक दोस्त के साथ देखा गया था। दोस्त ने बताया कि वह शराब पीने के बाद घर चला गया था। इसके बाद उसे जानकारी नहीं है।

मैट्रो एंकर — 142 इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग की काउंसलिंग

22 हजार छात्रों को कॉलेज आवंटित, 13 हजार को सीट मिली

भोपाल,दोपहर मेट्रो

प्रदेश के 142 इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग की काउंसलिंग प्रक्रिया जारी है। इस बार इन कालेजों की 61 ब्रांच में 47 हजार 582 सीटों को शामिल किया गया है। जिनमें प्रवेश देने के लिए काउंसलिंग के दूसरे राउंड का अलाटमेंट जारी कर दिया है। इसमें 22 हजार 431 विद्यार्थियों को कालेज आवंटित किए गए है। इसमें 13 हजार 76 विद्यार्थी 12वीं के आधार पर शेष नौ हजार 355 विद्यार्थियों को जेईई मेस के आधार पर कालेज दिए गए हैं। अलाटमेंट मिलने के बाद पहले दिन ही जेईई मेंस से 600 और 12 वीं के आधार पर करीब तीन हजार विद्यार्थियों ने फीस जमा कर प्रवेश ले लिए हैं।

राउंड में प्रवेश लेने करीब 24 हजार 400 विद्यार्थियों ने च्वाइस फिलिंग की थी। इसमें दस हजार 931 विद्यार्थी जेईई मेंस और 12वीं के आधार पर च्वाइस देने वाले 13 हजार 464 विद्यार्थी शामिल है। अब विद्यार्थी 25 जुलाई की शाम पांच बजे तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। दूसरे राउंड में प्रवेश लेने के लिए करीब 25 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है।

पीजी सीटों पर प्रवेश के लिए 78 हजार सीटें आवंटित

प्रदेश के 1200 निजी और सरकारी कॉलेजों की पीजी की सीटों पर प्रवेश देने के लिए 78 हजार विद्यार्थियों के सीटें आवंटित की है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा चलाई जा रही ई-प्रवेश प्रक्रिया में करीब दो हजार विद्यार्थियों को यूजी से पीजी कोर्स में मेजर और माइनर विषय बदलने पर सीटें आवंटित हुई हैं। विभाग ने उनके दो दिन में साक्षात्कार भी कराए हैं। पीजी में प्रवेश लेने अभी तक करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों का पंजीयन हो चुका है। दो राउंड में करीब 48 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है। सिर्फ सीएलसी में प्रवेश के लिए करीब 55 हजार विद्यार्थियों का सत्यापन कराया था। आवंटन जारी होने के बाद विद्यार्थी 25 जुलाई तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना निशातपुरा जिला भोपाल

क्रमांक / गुम ई. 125/25 D-743/25 दिनांक 18/07/2025

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि थाना निशातपुरा जिला भोपाल के गुम इंसान क्रमांक 125/25 के गुमशुदा फरीद खान पिता सगीर खान उम्र 44 साल निवासी कलारी वाली गली फिजा कालोनी करोद थाना निशातपुरा भोपाल हुलिया दोहरा बदन, रंग गोरा चेहरा गोल उचाई 5 फिट 10 इंच नीले रंग की शर्ट हरे रंग पेन्ट पहने है जो घर वापस नही आये। उपरोक्त गुमशुदा के बारे मे कोई जानकारी हो तो थाना निशातपुरा भोपाल में सम्पर्क करें अथवा थाना को मोबाईल नम्बर 7587601924 या 7049104193 पर तत्काल सम्पर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना निशातपुरा, भोपाल

G-16063/25 "स्वच्छता ही सेवा"

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022